आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 25 दिसंबर 2025
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 51
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

सांसद खेल महोत्सव आज से होगा शुरू

पेज-2

सोनम 'बॉर्डर 2' से करेंगी शुरुआत

पेज-5

देपालपुर में आवारा कुत्तों का आतंक

पेज-6

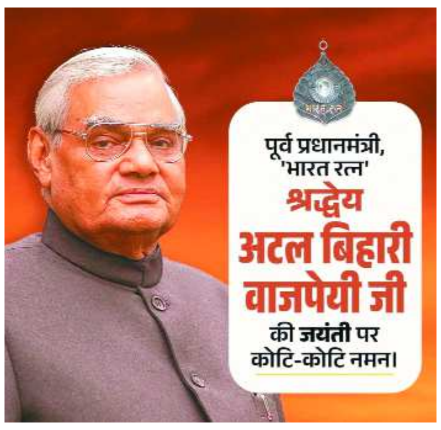

हार नहीं मानूँगा, रार नहीं ठानूँगा
बाधाएँ आती हैं आएँ
घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों में हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा।
हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा,
काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूँ।
गीत नया गाता हूँ।

खजराना गणेश, रणजीत हनुमान समेत अन्य मंदिरों का होगा कायाकल्प

सिंहस्थ 2028 के लिए शुरू हुई तैयारियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सिंहस्थ 2028 के दौरान इंदौर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए शहर के प्रमुख मंदिरों में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर और रणजीत हनुमान मंदिर में बुनियादी ढांचे और दर्शन व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार किए जाने हैं। जिला कलेक्टर शिवम वर्मा स्वयं इन विकास कार्यों की निगरानी कर रहे हैं और मंदिर समितियों के साथ मिलकर कार्यान्वयन की रूपरेखा तैयार कर चुके हैं।

शहर का ऐतिहासिक रणजीत हनुमान मंदिर अब महाकाल लोक की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस रणजीत लोक का कार्य इंदौर स्मार्ट सिटी को सौंपा गया है। विकास योजनाओं के तहत मुख्य मंदिर परिसर को सामने की ओर 40 फीट बढ़ाया जाएगा। मंदिर की छत पर विशेष कशीदाकारी (नक्काशीदार पत्थर) का काम किया जाएगा, जबकि बाउंड्री वॉल पर 'सुंदरकांड' के प्रसंगों को चित्रों और कलाकृतियों के माध्यम से उकेरा जाएगा। मंदिर परिसर में अत्याधुनिक पुलिस चौकी, शिशु आहार कक्ष (बेबी फीडिंग रूम), बुजुर्गों के लिए रैंप और विशेष जूता स्टैंड बनाए जाएंगे। पूरे परिसर में 'डायनेमिक फसाड लाइटिंग' का इस्तेमाल किया जाएगा, जो विशेष त्योहारों पर रंग बदल सकेगी।मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि रणजीत हनुमान मंदिर 135 वर्ष से अधिक पुराना है और यहाँ न केवल इंदौर बल्कि आस-पास के जिलों से भी श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि लंका विजय के बाद भगवान राम ने स्वयं हनुमान जी को 'रणजीत' नाम दिया था।

प्रति घंटे 20,000 श्रद्धालुओं को सुचारू दर्शन का लक्ष्य-भक्तों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए खजराना गणेश मंदिर के गर्भगृह के चांदी के द्वार को दोनों तरफ से 3-3 फीट चौड़ा किया जाएगा। इसके साथ ही सभा मंडप की ऊंचाई को 3 फीट कम किया जाएगा, ताकि पीछे खड़े श्रद्धालु भी भगवान के दर्शन स्पष्ट रूप से कर सकें। मंदिर प्रशासन के अनुसार पीछे के मंगल हॉल को स्थायी रूप से पक्का किया जा रहा है, जिससे भक्त चार लाइनों में एक साथ खड़े होकर दर्शन कर सकेंगे। इन सुधारों के बाद किसी भी भीड़ के बावजूद भक्त अधिकतम आधे घंटे में दर्शन कर पाएंगे। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट ने बताया कि कलेक्टर और प्रबंध समिति अध्यक्ष शिवम वर्मा, प्रशासक दिलीप यादव और पुजारियों तथा भक्तों की मौजूदगी में इन बदलावों पर निर्णय लिया गया।

कर्नाटक में स्लीपर बस में आग, 10 जिंदा जले

चित्रदुर्ग (एजेंसी) ● कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बुधवार देर रात स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 12 और 17 बताया जा रहा है। हादसा एनएच-48 पर हिरियूर तालुक में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबर्ड ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे।

शिवराज सिंह की सुरक्षा बढ़ाने में हुई देरी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● 12 नवंबर को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को एक पत्र भेजा था। इस पत्र में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा बढ़ाने के लिए, कहा गया था। गृह मंत्रालय के पत्र के अनुसार, शिवराज सिंह चौहान के संबंध में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा इंटरेस्ट दिखाया जा रहा है।

इस गंभीर खतरे को देखते हुए उनकी सुरक्षा बढ़ाने के आदेश जारी किए गए, लेकिन, मध्य प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने सुरक्षा देने में एक महीने का वक्त लगा दिया। इस पत्र की कॉपी मध्य प्रदेश के डीजीपी और दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा) को भी भेजी गई थी। पत्र की कॉपी भास्कर के पास है।

● 30 दिन बाद बढ़ी सुरक्षा
● 12 नवंबर को गृह मंत्रालय ने भेजा था पत्र
● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- ये बड़ी लापरवाही

30 दिन बाद बढ़ाई गई सुरक्षा-12 नवंबर के पत्र पर भोपाल पुलिस ने एक महीने बाद तत्परता दिखाई। यानी 12 दिसंबर को भोपाल के 74 बंगला स्थित शिवराज सिंह चौहान के आवास बी-8 और बी-9 के सामने बैरिकेडिंग कर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई।

गौरतलब है कि कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों से प्राप्त इनपुट के अनुसार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने शिवराज सिंह चौहान से संबंधित जानकारी जुटाने में रुचि दिखाई है। इस सुरक्षा इनपुट को ध्यान में रखते हुए शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई है। वर्तमान में वे केंद्र सरकार द्वारा जेड + श्रेणी के सुरक्षा प्राप्त नेता हैं।

प्रदेश में कोहरा कम पर कड़ाके की ठंड जारी

भोपाल (एजेंसी) ● मध्यप्रदेश में कोहरे का असर कम हुआ है, लेकिन कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। इकलौते हिल स्टेशन पर पारा 4 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। आगे ठंड और बढ़ेगी। इससे न्यू ईयर सेलिब्रेशन करने पचमढ़ी जाने वालों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत होगी। दूसरा सबसे ठंडा शहर शहडोल का कल्याणपुर है। यहां न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री दर्ज किया गया। कोहरे की वजह से दिल्ली से भोपाल, उज्जैन और इंदौर आने वाली ट्रेनें डिले यानी, लेट हो रही है। पिछले एक सप्ताह से ट्रेनें 8 घंटे तक लेट है। कई जिलों में विजिबिलिटी यानी, दृश्यता काफी कम रही। इस वजह से लोगों का गाड़ियां चलाना मुश्किल रहा।

न्यूज ब्रीफ

- क्रिसमस के मौके पर दिल्ली की एक चर्च में पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी
- 101वीं जयंती : पीएम मोदी ने 'सदैव अटल' पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को किया नमन
- अंकिता भंडारी हत्याकांड की हो सीबीआई जांच, उत्तराखंड की पूर्व मंत्री ने की मांग
- दिल्ली के नरेला में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, बदमाशों के पैर में लगी गोली
- बांग्लादेश में हिंसा के बीच गृह मंत्रालय के विशेष सहायक खुदाबख्श ने दिया इस्तीफा
- एमएमयू कैंपस में यूनिवर्सिटी के टीचर को मारी गोली, शिक्षक की मौत से मचा हड़कंप
- आज मध्य प्रदेश के दौरे पर होंगे अमित शाह, भोपाल में अलग-अलग कार्यक्रम में लेंगे हिस्सा
- दिल्ली : आज होगी अटल कैंटीन की शुरुआत, 100 जगह 5 में मिलेगा भरपेट खाना
- नाइजीरिया : शाम की नमाज के दौरान बोर्नो मस्जिद में धमाका
- आज बांग्लादेश पहुंचेंगे खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान
- हिमाचल : मरीज से मारपीट करने वाले डॉक्टर को नौकरी से निकाला गया

कृषि कॉलेज के पास 120 इलेक्ट्रिक बसों के लिए बनाया जा रहा है नया बस डिपो

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आयुक्त दिलीप कुमार यादव द्वारा कल प्रातःकाल शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों एवं प्रस्तावित योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान अपर आयुक्त अर्थ जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में आयुक्त श्री यादव द्वारा स्वीन क्रमांक 18 अंतर्गत कृषि कॉलेज के समीप प्रस्तावित सिटी बस डिपो स्थल का अवलोकन किया गया। अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि यहां 120 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक बसों के संचालन हेतु आधुनिक बस डिपो का निर्माण प्रस्तावित है। उक्त डिपो में बसों की पार्किंग के साथ-साथ चार्जिंग स्टेशन सहित आवश्यक अधोसंरचनात्मक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

विदित हो कि एआईसीटीएसएल के माध्यम से प्रथम चरण में 150 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक बसों के संचालन हेतु देवास नाका एवं नायता मुंडला में बस डिपो का निर्माण किया जा चुका है। द्वितीय चरण में कृषि कॉलेज के समीप प्रस्तावित डिपो में 120 इलेक्ट्रॉनिक बसों को चार्जिंग स्टेशन की सुविधा के साथ रखा जाएगा, जिससे शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सकेगा। इसके पश्चात आयुक्त श्री यादव द्वारा नायता मुंडला में स्थित नवीन बस स्टैंड का निरीक्षण किया गया, जहां उन्होंने निर्माणाधीन सिविल कार्यों एवं इलेक्ट्रॉनिक बसों के लिए बनाए जा रहे चार्जिंग स्टेशन के कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया। आयुक्त ने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एमवायएच में अकाउंटेंट अपना मूल काम करने के बजाय कर रहे हैं ईसीजी

स्टाफ होता रहता है परेशान, काम करने को भी तैयार नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अस्पताल का अकाउंट विभाग सुचारू से संचालित हो, इसके लिए अकाउंट स्टाफ में पर्याप्त व स्टाफ का होना जरूरी है। एमवायएच में तो हालत यह है कि दो अकाउंटेंट तो हैं, लेकिन वो अपना मूल काम करने के बजाए, वर्षों से ईसीजी का काम कर रहे हैं। ठीक है, पूर्व में ईसीजी बहुत कम लोगों को आती थी, लेकिन वर्तमान में तो हर नर्सिंग स्टाफ को ईसीजी करना आती है। इसके बाद भी अब तक दोनों अकाउंटेंट को अपने मूल विभाग में नहीं भेजा गया। ऐसा में काम में दिक्कत

आना ही है और आ भी रही है। एमवायएच में कहने के लिए स्टाफ परेशान हो रहा है। वर्तमान में जिसे व अकाउंटेंट की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वो अक्सर दोपहर बाद ही अस्पताल पहुंच रहे हैं। एमवायएच में कहने के लिए भले ही नर्सिंग स्टाफ आदि के लिए अटेंडेंस के लिए बायोमेट्रिक मशीन लगा रखी है, लेकिन अस्पताल के अकाउंट विभाग इन नियमों का पालन नहीं करता नजर आ रहा है। हालत यह है कि अकाउंट विभाग में वर्किंग डे के दौरान कई बार 12 तक तले लटके रहते हैं। अस्पताल में फिलहाल अधिकारियों का निरीक्षण का कार्यक्रम बंद पड़ा हुआ है। अधिकारी अपने आपसी मसलों में ही उलझे हुए हैं। इसके चलते स्टाफ की मौज हो रही है। यही कारण है कि करीब आधा दिन निकलने के बाद भी कार्यालय में स्टाफ के पते नहीं रहते हैं।

शेष बचे 07 दिन... साल 2025 की यादें होंगी ताजा 'दैनिक इंदौर संकेत' के साथ

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। वर्ष के अंतिम माह में इंदौर शहर को एक नई सौगात मिली। इंदौर की मेट्रो अब खजराना से ऊपर नहीं, जमीन के नीचे दौड़ेगी। इसको लेकर गत एक वर्ष से चिंतन-मनन चल रहा था, लेकिन अब जाकर इंदौर की मेट्रो को नया रूट मिला। इस रूट बदलाव के चलते 800 करोड़ का अतिरिक्त वहन करना होगा, जिसे राज्य सरकार वहन करेगी। अब इस प्रोजेक्ट में किसी भी तरह की देरी नहीं होगी।

चिंता में दल... दोनों पार्टियों ने चुनाव आयोग से मांगी बूथवार जानकारी

वोटर लिस्ट का सत्यापन करने उतरेंगी राजनीतिक पार्टियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र में एसआईआर के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी हो गई है। इस लिस्ट में 42.74 लाख वोटरों के नाम कटे हैं। इनमें 19.19 लाख पुरुष और 23.64 लाख महिला मतदाता शामिल हैं। 5,74,06,143 मतदाताओं में से 5,31,31,983 मतदाताओं ने गणना पत्रक प्रस्तुत किए। प्रदेश में 42 लाख 74 हजार 160 वोटर्स के नाम मतदाता सूची से कटे हैं। शिफ्टेड और अब्सेंट मतदाताओं की संख्या 31.51 लाख यानी 5.49 फीसदी है। वहीं, जिनका निधन हो गया है वो मतदाता 8.46 लाख यानी 1.47 फीसदी हैं। एक से अधिक जगह इनरोल्ड मतदाताओं की संख्या 2.77 लाख यानी 0.48 फीसदी है। एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रारूप प्रकाशन के साथ भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मतदाताओं का सत्यापन करने के लिए मैदान में उतरेंगे। इसके लिए दोनों पार्टियों ने चुनाव आयोग से बूथवार मतदाताओं की जानकारी मांगी है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने कल प्रदेश के राजनीतिक दलों के साथ एसआईआर के प्रोविजनल ड्राफ्ट को लेकर बैठक की। इस बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एसआईआर का ड्राफ्ट साझा किया। सभी पार्टियों को सीडी में इसकी जानकारी दी गई। भाजपा की ओर से विधायक भगवानदास सबनानी, कांग्रेस की ओर से जेपी धनोपिया, ललित सेन व आप पार्टी से सीपी सिंह चौहान शामिल हुए। कांग्रेस की ओर से धनोपिया ने एसआईआर में अनमैप्ड मतदाताओं को शामिल करने पर आपत्ति जताई और बूथवार इनकी डिटेल उपलब्ध कराने की मांग रखी।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर ने पूर्वी-पश्चिम बायपास रोड़ प्रक्रिया की समीक्षा की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में पूर्वी-पश्चिम बायपास रोड संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में इंदौर जिले के सभी एसडीएम, एमपीआईडीसी, एनएचएआई के अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने पूर्वी-पश्चिम बायपास निर्माण संबंधित प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ के पूर्व सभी मार्गो का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है। किसानों से भू-अर्जन की प्रक्रिया समयसीमा में पूर्ण करायी जाये। इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड रोड के साथ मूसाखेड़ी फ्लाईओव्हर, अर्जुन बड़ौदा फ्लायओव्हर, एमआर-10 ब्रिज आदि निर्माण कार्यों पर भी चर्चा हुई। बैठक में सभी अनुविभागीय अधिकारियों ने भी अपने विचार और सुझाव रखे।

महावीर अस्पताल द्वारा संचालित समस्त अल्ट्रासोनोग्राफी मशीनों को किया गया सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने फूटी कोठी चौराहा स्थित महावीर अस्पताल द्वारा संचालित सभी अल्ट्रासोनोग्राफी मशीनों को सील कर दिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी ने बताया कि कलेक्टर शिवम वर्मा को महावीर अस्पताल द्वारा नियम विरूद्ध पीसीपीएनडीटी के मशीनों के संचालन की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर कलेक्टर के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आज मौके पर दल भेजकर महावीर अस्पताल में पंजीकृत समस्त अल्ट्रासोनोग्राफी मशीनों को तत्काल प्रभाव से सीलबन्द करवाया गया। कार्यवाही के दौरान पाया गया कि एक पंजीकृत सिटी स्कैन मशीन को सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बगैर बेच दी गयी है, जिसका पंचनामा बनाकर कार्रवाई की गयी।

जनसुनवाई में मिली शिकायत पर राज मेडिकल स्टोर सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनसुनवाई में मिली एक शिकायत पर कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अनियमितताएं पाये जाने पर एक मेडिकल स्टोर को सील किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हासानी ने बताया कि प्राप्त शिकायत की जाँच के लिए औषधि निरीक्षक तथा जोनल मेडिकल अधिकारी की समिति का गठन किया गया। उक्त समिति ने निरीक्षण के उपरान्त शिकायत को सही पाया और इस आधार पर राज मेडिकल स्टोर नंदलाल पुरा चौराहा द्वारा गलत इंजेक्शन लगाए जाने पर उसे सील किया गया। स्टोर का निरीक्षण करने पर पाया गया कि वहां अवैध रूप से क्लीनिक का संचालन भी किया जा रहा था। कलेक्टर इंदौर के निर्देशानुसार मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया है।

जनअभियान परिषद के सर्वेक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू समुदाय के नागरिकों को समाज की मुख्य धारा में लाने एवं उन्हें शासन की योजनाओं का समुचित लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के चिन्हांकन, उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का आंकलन करने के लिए विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू समुदाय कल्याण विभाग की संचालक सुश्री नेहा मारव्या (आई.ए.एस) के निर्देशानुसार इन समुदाय के परिवारों का जनअभियान परिषद के माध्यम से ग्राउंड सर्वे किया जा रहा है। समय पर सर्वे कार्य पूर्ण किए जाने हेतु पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण इंदौर में जनअभियान परिषद के स्वयं सेवकों को उनके लॉगिन आईडी प्रदान कर प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बिल्डर मनीष गोधा, देवेंद्र सोगानी की कॉलोनी में जमीन का विवाद, प्रशासन की दो रिपोर्ट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बिल्डर मनीष गोधा और देवेंद्र सोगानी की निजी कॉलोनी गोधा एस सोलिटेयर में सरकारी जमीन होने की शिकायत पर प्रशासन ने जांच कराई है। मौके पर कराई गई नपती में इसमें दो सरकारी सर्वे नंबर की जमीन बताया गया है।

इस मामले में बिल्डर का दावा है कि प्रशासन की पुरानी सत्यापित कॉपी उनके पास है। इसमें इन सर्वे नंबर का कोई जिक्र नहीं है। यानी कि इस मामले में प्रशासन की दो-दो रिपोर्ट है। इंदौर में अपनी निर्माणाधीन कॉलोनियों में जैन समाज के बड़े धार्मिक आयोजन करने के लिए बिल्डर मनीष गोधा प्रसिद्ध है। शिकायतकर्ता लोकेश जैन ने इस संबंध में नगर निगम इंदौर से लेकर टीएंडसीपी और एसडीएम मल्हारगंज को लिखित शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया है कि ग्राम छोटा बांगड़दा मल्हारगंज सर्वे नंबर 111/2, 111/3, 111/4, 111/5 कुल 2.024 हेक्टेयर पर देवेंद्र सोगानी, महेश सोगानी व अन्य द्वारा बिल्डर मनीष गोधा के साथ गोधा एस सोलिटेयर कॉलोनी काटी जा रही है। इसमें सरकारी जमीन का सर्वे नंबर 110/1 व 107 को भी ले लिया गया है। साथ ही नक्शे में तय 18 मीटर चौड़ी सड़क को संकरा बनाया जा रहा है और नक्शे के विपरीत भी। शिकायत के बाद तहसीलदार मल्हारगंज के द्वारा जमीन का सीमांकन के लिए एक दल का गठन किया गया। इस दल की रिपोर्ट में सामने आया कि सपना गोधा, मनीष गोधा के द्वारा सर्वे नंबर 111/2, 111/3, 111/4, 111/5 पर नगर एवं ग्राम निवास विभाग से कालोनी विकास की अनुमति प्राप्त की गई।

रिपोर्ट में है कि सर्वे में कुल रकबा 2.024 हेक्टेयर की आकृति 1.786 हेक्टेयर ही है। इससे अधिक जमीन नहीं हो सकती है। लेकिन गोधा द्वारा 1.982 हेक्टेयर जमीन पर टीएंडसीपी पास कराई गई है। इससे साफ है कि इसमें सर्वे नंबर 110 व 103 को भी शामिल किया गया है।

करीब 20 हजार वर्गफीट जमीन ज्यादा-इस तरह 0.196 हेक्टेयर यानी करीब 20 हजार वर्गफीट जमीन अतिरिक्त इस नक्शे में दबाई गई है। प्लाट के बाजार भाव के हिसाब से इस कब्जे वाली जमीन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आती है। इस मामले में शिकायत करने वाले जैन के आरोप है कि बिल्डर कॉलोनाइजर मनीष गोधा के साथ कई लोग शामिल है। उनकी पत्नी सपना गोधा, सेल टैक्स विभाग के सेवानिवृत अधिकारी टी के वैध, सोगानी ड्रेसेस के संचालक देवेंद्र सोगानी, महेश सोगानी के साथ पराग सोगानी, संदीप सोगानी पेपर वाले भी शामिल है।

क्या बोल रहे गोधा-गोधा ने कहा कि यह केवल नपती रिपोर्ट है जो शिकायतकर्ता जैन द्वारा दबाव डालकर इसमें अपने बिंदु जुड़वाए गए हैं। जबकि इसकी पहले ही रिपोर्ट बनी हुई है और इसकी सत्यापित कॉपी हमारे पास है। इसमें सरकारी सर्वे नंबर 110 व 103 का कोई लेना-देना नहीं है। वैसे भी जमीन मेरी नहीं है, मैं तो डेवलपर हूं और जाइंट रेशो में काम कर रहा हूं।

प्रशासन क्या कह रहा है-वहीं इस मामले में तहसीलदार नारायण नांदेड़ ने कहा कि अभी नपती दल की नपती रिपोर्ट आई है। इसका परीक्षण करना बाकी है। परीक्षण के बाद यदि सरकारी जमीन पर कब्जा पाया जाता है तो इसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में

हिंदू संगठनों में जलाया मोहम्मद यूसुफ का पुतला

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● मानवता को शर्मसार करने वाली घटना के विरोध में समस्त हिंदू समाज एकजुट हुआ। बांग्लादेश में हमारे निर्दोष हिंदू भाई को जिंदा जलाने वाले अपराधी मोहम्मद इसुफ के खिलाफ आज सांवेर में आक्रोशित हिंदू समाज द्वारा पुतला दहन कर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। आंदोलनकारी का कहना था कि यह केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज पर हमला है। हम स्पष्ट शब्दों में कहते हैं — हिंदुओं पर अत्याचार अब बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। दोषियों को कठोरतम सज़ा मिले, यही हमारी मांग है। हिंदू समाज अब जाग चुका है और अन्याय के खिलाफ चुप नहीं बैठेगा। आंदोलन की अगुवाई हनुमान चालीसा मण्डली, पशु सेवा समिति सांवेर ने की।

हम सुशासन और संवेदनशीलता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं-मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर नवाचार कर रही है। जनसेवा के कार्यों और प्रदेश के अभ्युदय के लिए कई कार्यों को आरंभ किया गया है। हम सुशासन और संवेदनशीलता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं। शासन के धन का सदुपयोग करते हुए अधिक से अधिक लोगों का कल्याण हो यह हमारा लक्ष्य है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया। वर्ष 2026 में कृषि और कृषक कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी और वर्ष 2027 युवाओं को समर्पित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाल सलाम को आखिरी सलाम कहते हुए नक्सलवाद को प्रदेश से समाप्त करना हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि रही। प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सक्रिय सहयोग से राज्य सरकार निर्धारित समय-सीमा से पहले नक्सलवाद को समाप्त करने में सफल रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दूरदर्शन के 'डी.डी. कॉन्क्लेव भोपाल-2025' में मध्यप्रदेश सरकार के 2 वर्ष के कार्यों पर आधारित विशेष सत्र में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में केन्द्रीय सूचना प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन, केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से एंकर सुधीर चौधरी ने साक्षात्कार लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से राज्य सरकार की दो साल की उपलब्धियों, सरकार की प्राथमिकताओं, चुनौतियों, भविष्य की कार्ययोजना तथा व्यक्तिगत जीवन से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'दमदार दो साल-मोहन सरकार' लघु फिल्म का रिमोट कंट्रोल से विमोचन भी किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बजट को डबल करना हमारा लक्ष्य है। इसके साथ ही मितव्ययिता से बचत करना भी हमारी प्राथमिकता है। सौर ऊर्जा को प्राथमिकता देकर हम सरकार के खर्च में कमी के साथ-साथ किसानों को भी बचत के लिए प्रेरित कर रहे हैं। नवकरणीय ऊर्जा के प्रोत्साहन से देश में सबसे सस्ती बिजली मध्यप्रदेश उपलब्ध करा रहा है। दिल्ली की मेट्रो की बिजली से संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब नीति और नीयत साफ हो तो ईश्वर भी मदद करते हैं।

किसानो की अनदेखी के खिलाफ किसानों का आक्रोश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्वयं को किसान हितैषी बताने के दावों पर सवाल उठाते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों ने कलेक्टर कार्यालय पर सशक्त प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि सरकार की घोषणाएं केवल कागजों तक सीमित हैं, धरातल पर किसानों को न तो समय पर भावांतर राशि मिल रही है और न ही उनकी उपज का उचित मूल्य।

संयुक्त किसान मोर्चा, किसान संघर्ष समिति एवं भारतीय किसान मजदूर सेना के आह्वान पर आयोजित इस प्रदर्शन में किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व रामस्वरूप मंत्री, बबलू जाधव, चंदन सिंह बड़वाया, शैलेंद्र पटेल ,प्रवीण ठाकुर जिला अध्यक्ष सहित अन्य किसान नेताओं ने किया। ज्ञापन में बताया गया कि जिले की मंडियों में बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर यह घोषणा की गई थी कि

सोयाबीन फसल विक्रय के 15 दिनों के भीतर भावांतर राशि किसानों के खातों में जमा कर दी जाएगी, लेकिन 18 नवंबर से अब तक एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद किसानों को भुगतान नहीं हुआ है, जो सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। किसानों ने घोड़ारोज व जंगली सुअरों से हो रहे भारी फसल नुकसान, स्मार्ट मीटर के नाम पर बढ़े बिजली बिल, बिना सहमति मीटर परिवर्तन, रात्रिकालीन सिंचाई से हो रही परेशानियों, लक्ष्मी नगर अनाज मंडी के 186 किसानों के वर्षों से लंबित भुगतान, अहिल्यापथ से प्रभावित किसानों की जमीनों की टीएनसी पर लगी रोक, निरंजनपुर सब्जी मंडी को उप-मंडी घोषित करने, खाद की अनावश्यक टैगिंग तथा प्याज के लगातार गिरते दामों पर भी सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 7 दिनों के भीतर भावांतर राशि का भुगतान नहीं किया गया, तो संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े संगठन इंदौर सहित पूरे मध्य प्रदेश में व्यापक जनआंदोलन छेड़ने के लिए बाध्य होंगे।

डेंटल कॉलेज में तीन सीनियर छात्राएं 15 दिन के लिए सस्पेंड

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के मामलों पर सख्ती के बावजूद घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के बाद अब डेंटल कॉलेज में रैगिंग का मामला सामने आने पर प्रबंधन ने कार्रवाई की है। पीजीएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की शिकायत के बाद एंटी रैगिंग कमेटी ने तीन सीनियर छात्राओं को 15 दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया है। जूनियर विद्यार्थियों ने यूजीसी में की गई नामजद शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्हें सुबह कक्षाओं से पहले कॉलेज बुलाया जाता था और शाम को छुट्टी के बाद भी देर तक रोका जाता था। इसके चलते न तो वे समय पर हॉस्टल लौट पा रहे थे और न ही मानसिक रूप से सहज महसूस कर रहे थे। विद्यार्थियों का कहना था कि इस व्यवहार से उन पर अनावश्यक दबाव

बनाया जा रहा था। शिकायत मिलने के अगले ही दिन एंटी रैगिंग कमेटी ने सभी संबंधित विद्यार्थियों को तलब कर बयान दर्ज किए। जांच के दौरान जहां जूनियर और सीनियर दोनों पक्षों ने रैगिंग से इनकार किया, वहीं नामजद शिकायत और परिस्थितियों को देखते हुए प्रबंधन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई को जरूरी माना। इसी आधार पर तीन सीनियर छात्राओं को 15 दिनों के लिए निलंबित किया गया।

हाई सिक्योरिटी नंबर बना मुसीबत बिना इसके नहीं हो रहा कोई काम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) को वाहन सुरक्षा और फर्जीवाड़ा रोकने के उद्देश्य से लागू किया गया था, लेकिन अब यही नियम वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। विशेष रूप से 1 अप्रैल, 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों के लिए यह व्यवस्था गंभीर संकट का रूप ले चुकी है। कभी पीथमपुर में वाहन बनाने वाली ट्रांसपोर्ट कंपनी मान मोटर्स के लगभग 40 ट्रकों की फिटनेस केवल इसलिए नहीं हो पा रही है, क्योंकि इन वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है। परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार बिना एचएसआरपी किसी भी व्यावसायिक वाहन को फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी नहीं किया जा सकता, जिसके चलते ये सभी ट्रक फिलहाल सड़कों से बाहर हैं। एआरटीओ राजेश गुप्ता ने बताया कि अकेले मान मोटर्स ही नहीं, इसके अलावा भी कुछ कंपनियों के साथ यह दिक्कत आ रही है।

उपभोक्ता जागरूकता, त्वरित निवारण और मिलावट के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस, इंदौर प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता -कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस-2025 के अवसर पर आज इंदौर में विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिले का मुख्य कार्यक्रम कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर शिवम वर्मा की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग क्रमांक 01 एवं 02 के अध्यक्ष विकास राय मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आयोग क्रमांक 01 के सदस्य कुंदन सिंह चौहान, डॉ. निधि बारंगे और आयोग क्रमांक 02 के सदस्य लालजी तिवारी उपस्थित शामिल हुए।

कलेक्टर वर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं को शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री सही दाम और सही माप के अनुसार उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। मिलावटखोरों के विरुद्ध लगातार अभियान चल रहा है और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी सहित सभी सेवाओं में समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता जागरूकता, त्वरित निवारण और मिलावट के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस इंदौर प्रशासन की निरंतर प्रतिबद्धता है।

स्वागत भाषण जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने दिया। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता मार्गदर्शन केन्द्र के माध्यम से पिछले एक वर्ष में 300 से अधिक प्रकरणों का सफल निराकरण किया गया। विभागीय नवाचारों की कुंदन सिंह चौहान तथा डॉ. निधि बारंगे ने सराहना की। मेडिकल क्षेत्र में उपभोक्ता जागरूकता पर भी बल दिया गया।

इन्फ्लूएंसर को पूछताछ के लिए थाने बुलाएगी पुलिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के हीरानगर में सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वायरल वीडियो में वह एक पुलिसकर्मी गोरख खेम के साथ बदसलूकी करते हुए दिख था। भीड़ इकट्ठा कर वह जबदस्ती माफी मंगवाने की बात करते नजर आया था। इस मामले की जानकारी वरिष्ठ अफसरों तक पहुंची तो उन्होंने मामले में संज्ञान लिया है। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर के खिलाफ हेड कांस्टेबल ने भी लिखित में शिकायत दी है। इसे लेकर अफसर कार्रवाई का मन बना चुके हैं।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक इन्फ्लूएंसर सोनू उर्फ पंकज वर्मा

वर्दी पहनने पर नकली गोविंदा मांग चुके हैं माफी, हेड कांस्टेबल से लिखवाया आवेदन

को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। जिसमें वह हीरानगर के एक हेड कांस्टेबल के साथ बदसलूकी करते नजर आ रहा है। इस मामले को संज्ञान में लिया गया है। वहीं वरिष्ठ अफसरों के आदेश के बाद मामले में सोनू पर कार्रवाई की जा रही है। उधर, बुधवार देर रात हीरानगर पुलिस ने सोनू वर्मा के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। वर्मा की गिरफ्तारी गुरवार को होने की संभावना है।

इस मामले में टीआई सुशील पटेल ने गोरख को बुलाकर पूछताछ की। उसने बताया कि रात में वह ड्यूटी पर था। उसे डॉयल 112 से पॉइंट मिला था। जिसमें सूचना के बाद वह मौके पर पहुंचा था। यहां भीड़ में मौजूद सोनू की उससे धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद वह खुद को सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर बताते हुए विवाद करने लगा। उसने मौके पर वीडियो बनाया और माफी मांगने की बात करते रहा। वह यहां पर कार्रवाई को बीच में रोक रहा था। अफसरों के कहने पर गौरख खेम से एक लिखित आवेदन लेकर कार्रवाई की बात कही गई।

सांसद खेल महोत्सव आज से होगा शुरू

पीएम नरेन्द्र मोदी इंदौर के दिव्यांग खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खेल संस्कृति को जन-आंदोलन का रूप देने देशभर में सांसद खेल महोत्सव के आयोजन किए जा रहे हैं। 25 दिसंबर यानी आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन महोत्सव में शामिल खिलाड़ियों से संवाद करेंगे। इंदौर में यह आयोजन वैष्णव महाविद्यालय में होगा। स्पर्धा के समन्वयक कपिल जैन ने बताया कि पीएम 11 बजे कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंदौर और देशभर के खिलाड़ियों से संवाद करेंगे।

कपिल जैन ने बताया कि पीएमओ से इंदौर सहित कुछ अन्य शहरों को स्पेशल केटेगरी में रखा गया है। जहां के

खिलाड़ियों से पीएम बातचीत भी करेंगे। इंदौर में भी टू वे कान्फ्रेंसिंग सिस्टम लगाया गया है। सांसद शंकर लालवानी के नेतृत्व में आयोजित खेल महोत्सव का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताएं कराना नहीं, बल्कि खेल को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना, युवाओं को फिटनेस से जोड़ना और छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाना है। इस बार लगभग 1000 से अधिक दिव्यांग खिलाड़ी सांसद खेल महोत्सव से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इनसे सीधा संवाद करेंगे। उनका यह संवाद खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगा और भविष्य में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा। जैन ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव-2025 का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताएं कराना नहीं, बल्कि खेल को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना, युवाओं को फिटनेस से जोड़ना और छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाना है। इस वर्ष ग्रामीण, शहरी, महिला, युवा और दिव्यांग खिलाड़ियों की व्यापक सहभागिता देखने को मिल रही है, जो इंदौर में मजबूत होती खेल संस्कृति को दर्शाती है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 25 दिसंबर 2025

अयोध्या बायपास पर 7871 पेड़ों को कटाने पर रोक, एनजीटी ने 8 जनवरी तक रोक लगाई

भोपाल (एजेंसी) ●भोपाल के आसाराम चौराहा से रत्नागिरि तिराहे तक 16 किमी लंबे अयोध्या बायपास को 10 लेन में तब्दील करने के लिए 7871 पेड़ों को काटने पर रोक लगा दी गई है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 8 जनवरी तक के लिए रोक लगाई है। पेड़ काटने के विरोध में कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया था, जबकि गुरुवार को पर्यावरणविद् धरना आंदोलन करने वाले हैं।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया 10 लेन प्रोजेक्ट के चलते यह पेड़ कटवा रहा है। हालांकि, इनके बदले 81 हजार पौधे रोपने का वादा भी किया है। 10 लेन करने के प्रोजेक्ट में सेंट्रल वर्ज की चौड़ाई को 5 मीटर से घटाकर 1.5 मीटर करने का भी प्लान बना है। पर्यावरणविद् नितिन सक्सेना ने यह याचिका लगाई थी। इस पर एनजीटी ने बुधवार को आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि जब तक एनजीटी अपने स्पष्ट आदेश जारी नहीं कर देती, तब तक पेड़ों की कटाई नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन गठित कमेटी ने आदेश जारी कर दिए। छुट्टी वाले दिन नगर निगम काम नहीं करता,

लेकिन दो दिन में करीब दो हजार पेड़ काट दिए गए। पर्यावरण के हित में यह प्रोजेक्ट गलत है। यहां लगातार पेड़ों की कटाई हो रही है। पहले भी हजारों पेड़ काटे जा चुके हैं।

एनजीटी में इस मामले की सुनवाई जस्टिस पुष्पा सत्यनारायणा और एक्सपर्ट मेंबर सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने की। ट्रिब्यूनल ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिया है कि ष्टश्वष्ट कमेटी की बैठक के मिनट्स अभी तक पेश नहीं किए गए हैं। इसलिए अगली सुनवाई तक प्रोजेक्ट स्थल पर पेड़ों की कटाई या कटाई नहीं की जाए। हालांकि, एनजीटी ने स्पष्ट किया है कि एनएचएआई पेड़ों को काटे बिना सड़क प्रोजेक्ट का अन्य कार्य जारी रख सकता है। दूसरी ओर, एनएचएआई का तर्क है कि सीईसी की बैठक के सारे मिनट्स एनजीटी में पेश कर दिए गए। बावजूद 8 जनवरी तक पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई गई है। इस संबंध में अपना पक्ष भी रखेंगे।

अयोध्या बायपास पर कई पेड़ों को काटने की कार्रवाई की गई थी। इसका कांग्रेस ने विरोध किया। एनएचएआई ठेकेदार के जरिए पेड़ कटवा रहा है। मौके पर पहुंचे कांग्रेस नेता अभिनव बरोलिया ने कार्रवाई का विरोध जताया। साथ ही इसे तुरंत रोकने की मांग की। अगले दिन मंगलवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, रविंद्र साहू झूमरवाला समेत कई कांग्रेसियों ने मास्क पहनकर विरोध प्रदर्शन किया था। पर्यावरणविद उमाशंकर तिवारी ने बताया कि बायपास के दोनों ओर जो भी पेड़ काटे जा रहे हैं, उनकी उम्र 80 से 100 साल या इससे अधिक है। इनके बदले यदि नए पौधे लगाए भी जाएंगे तो उनके पेड़ बनने में सालों बीत जाएंगे।

10 हजार पौधे अयोध्या बायपास के दोनों ओर लगेंगे। इनमें छाया, फलदार एवं शेड-बेयरिंग प्रजाति के पौधे शामिल हैं। इन पौधों की 15 साल एनएचएआई देखरेख करेगा। करीब 20 करोड़ रुपए खर्च आएगा। इस संबंध में केंद्रीय अधिकार समिति को पूर्व में अवगत कराया जा चुका है। नगर निगम के सहयोग से 10 हजार अतिरिक्त पौधों का रोपण किया जाएगा। नगर निगम ने एनएचएआई को विभिन्न पार्क, रिक्त भूमि एवं सड़क किनारे की उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराई है। जहां स्थानीय, छायादार एवं उपयोगी प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। झिरनिया एवं जागरियापुर क्षेत्र में जिला प्रशासन ने भूमि दी है, जो राजस्व वन की है। यहां 61 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। इस क्षेत्र को विकसित वन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। जून-2026 तक सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएंगी। ताकि अगले मानसून के दौरान पौधारोपण कार्य समयबद्ध रूप से किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

कार्यकर्ता ही कांग्रेस की नींव की है -नायडु

इंदौर ● जिला कांग्रेस की महती बैठक मध्यप्रदेश कांग्रेस की सहप्रभारी श्रीमती ऊषा नायडु की मौजूदगी एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े की अध्यक्षता में पालदा स्थित मल्हार हेरीटेज गार्डन में सम्पन्न हुई, जिसमें इन्दौर के ग्रामीण क्षेत्र की देपालपुर, राऊ, सांवेर एवं महू विधानसभा के ब्लाक, मंडलम एवं सेक्टर प्रभारियों के साथ ही जिला पंचायत, जनपद पंचायत के पदाधिकारी एवं सरपंचगणों के बीच श्रीमती नायडू ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता नींव का पत्थर है, जो कांग्रेस जैसे मजबूत दल को अपनी सक्रियता से मजबूती प्रदान कर रहा है, लेकिन देश में वोट चोरी के कारण हम देश व प्रदेश की सत्ता से दूर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का छोटा नेता हो या बड़ा सभी को बीएलए 2 बनकर एस आई आर की मानिटरिंग करना होगी, साथ ही सेक्टर से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित कर यह देखना होगा कि हमारा संगठन या हमारा कार्यकर्ता कहां कमजोर है, जहां हम कमजोर है, वहां मेहनत करना होगी तभी संगठन होगा।

गणेश नगर में होने वाली श्रीराम कथा के लिए आज होगा ध्वजा पूजन

इंदौर ● बर्फानी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में ब्रह्म ऋषि स्वामी बर्फानी दादा महाराज की प्रेरणा से गुरुवार 1 से 9 जनवरी तक होने वाली श्रीराम कथा के लिए ध्वजा पूजन का आयोजन 25 दिसम्बर को विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंगलाचरण के बीच होगा। संगीतमय कथा प्रख्यात रामकथा मर्मज्ञ आचार्य पं. मनोज भार्गव के श्रीमुख से अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन से प्रतिदिन दोपहर 1 से सायं 5 बजे तक होगा।

मन को निर्मलता और पवित्रता प्रदान करता है भागवत कथा का श्रवण

इंदौर ● जीवन का आनंद भक्ति में है, भोग में नहीं। संसार का आनंद जड़ में नहीं, चैतन्य में होता है। केवल परमात्मा ही चैतन्य स्वरूप हैं, बाकी सब जड़ है। जितने भी भक्त और संत भारत भूमि पर हुए हैं, उन्होंने भक्ति के माध्यम से समाज को चैतन्य और ऊर्जावान बनाया है। भागवत कथा का श्रवण जन्म जन्मान्तर के पुण्योदय से ही संभव है।

भाजपा कार्यालय पर मनेगा वीर बाल दिवस

पहली बार भाजपा कार्यालय पर होगा गुरुग्रंथ साहिब की अमरवाणी सुखमनी साहब का पाठ और लंगर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पिपले एवं नगर उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक हरप्रीत सिंह बक्शी, सहसंयोजक अजय शर्मा पप्पू, सुखविंदर सिंह भाटिया मन्नी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा नगर द्वारा भाजपा कार्यालय पर वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। भाजपा कार्यालय पर सुबह 11 : 45 बजे सुखमनी साहिब का पाठ, कथा- कीर्तन और लंगर का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और समाज सेवी अजित सिंह नारंग विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

नेताओं ने बताया कि सिक्खों के 10 वें गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादा बाबा अजित सिंह जी, साहिबजादा बाबा जुझार सिंह जी, साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह जी ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना बलिदान देकर राष्ट्रभक्ति की मिसाल कायम की थी। गुरु गोबिंद सिंह जी के दोनों बड़े साहिबजादों ने इस दौरान मुगलों से जंग लड़ी थी, जिसमें वे बहादुरी से लडते हुए शहीद हो गए। छोटे साहिबजादों को मुगलों ने दीवार में जिंदा चुनवा दिया था। उनके इस महान बलिदान को इतिहास में भूला दिया गया। लेकिन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने गुरु गोविंद सिंह जी के वीर साहिबजादों की बहादुरी और साहस से देश युवाओं और बच्चों को परिचित कराने के लिए वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की। वीर बाल दिवस का यह तीसरा वर्ष है, भाजपा इंदौर द्वारा साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए पर्व के रूप में मनाया जाएगा।

नेताओं ने बताया कि वीर बाल दिवस के अवसर पर पहली बार भाजपा कार्यालय पर गुरुनानक निष्काम सेवा जत्थे के सेवादारों द्वारा गुरुग्रंथ साहिब की अमरवाणी 5 वें गुरु अर्जन जी द्वारा रचित सुखमनी साहिब का पाठ किया जाएगा। इसके पश्चात पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और समाजसेवी अजित सिंह नारंग द्वारा इंदौर में शबद कीर्तन करने वाले बालक बालिकाओं का सम्मान किया जाएगा। तत्पश्चात पटियाला से विशेष रूप से पधारे अमरजीत सिंह जी द्वारा कथा एवं कीर्तन किया जाएगा। बाद में गुरु का लंगर वर्ताया जाएगा। नेताओं ने बताया कि इस आयोजन में शहर के विभिन्न गुरुद्वारों की प्रबंध कमेटी की संगतों को भी आमंत्रित किया गया है। वे भी आयोजन में शामिल होंगी।

विभिन्न समाजों एवं संगठन भी देंगे सेवा- नेताओं ने बताया कि आयोजन में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ साथ शहर के विभिन्न सामाजिक संगठन, व्यापारिक संगठन, शैक्षिक संस्थानों, खेल, एनजीओ, धार्मिक, साँस्कृतिक संगठनों के पदाधिकारी भी सेवा देंगे।

प्रदेश में राशन दुकानें बनेंगी 'मुख्यमंत्री पोषण मार्ट': राजपूत

भोपाल (एजेंसी) ● मध्य प्रदेश में राशन की दुकानों पर किराना और जनरल स्टोर की तरह जरूरत की हर सामग्री मिलेगी। मप्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मध्यप्रदेश में पहली बार राशन दुकानों को 'मुख्यमंत्री पोषण मार्ट' के रूप में विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। अभी तक प्रदेश की राशन दुकानों में केवल गेहूं, चावल, शक्कर जैसी सीमित सामग्री ही उपलब्ध रहती है, लेकिन सरकार का उद्देश्य इस व्यवस्था को और व्यापक व उपयोगी बनाना है। मंत्री ने बताया कि सरकार का विचार है कि राशन दुकानों पर किराने और जनरल स्टोर से जुड़ी आवश्यक वस्तुएं भी उपलब्ध कराई जाएं, ठीक उसी तरह जैसे विकसित देशों में कम्युनिटी स्टोर या सोशल स्टोर की व्यवस्था होती है। इससे हितग्राहियों को रोजमर्रा की जरूरत का सामान एक ही स्थान पर मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पोषण मार्ट के रूप में विकसित होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सबसे अधिक लाभ होगा। गांव-गांव में रहने वाले नागरिकों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए अलग-अलग दुकानों या दूर के बाजारों तक नहीं जाना पड़ेगा। राशन के साथ-साथ अन्य जरूरी वस्तुएं भी एक ही जगह मिलने से समय, पैसा और श्रम तीनों की बचत होगी। मंत्री के अनुसार, इस योजना से न केवल हितग्राहियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि राशन दुकानदारों की आय भी बढ़ेगी, जिससे पूरी सार्वजनिक वितरण प्रणाली अधिक मजबूत और टिकाऊ बन सकेगी।

सीएम के डॉक्टर बेटा-बहू कर रहे नर्मदा परिक्रमा, ओंकारेश्वर से शुरू की यात्रा

भोपाल (एजेंसी) ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु और बहू डॉ. इशिता नर्मदा परिक्रमा पर निकले हैं। सोमवार 22 दिसंबर को ओंकारेश्वर से दोनों ने नर्मदा यात्रा की शुरुआत की है। पिछले महीने 30 नवंबर को उज्जैन में सामूहिक विवाह सम्मेलन में अभिमन्यु खरगोन जिले की डॉ. इशिता के साथ विवाह के बंधन में बंधे थे। शादी के 21 दिन बाद ही वे नर्मदा यात्रा पर निकले हैं। नवविवाहित जोड़े अभिमन्यु और इशिता के साथ नर्मदा परिक्रमा पर उनकी बड़ी बहन डॉ. आकांक्षा यादव, जीजा जी और बड़े भाई वैभव यादव- भाभी भी साथ में नर्मदा यात्रा कर रहे हैं। ओंकारेश्वर से शुरू हुई नर्मदा परिक्रमा करीब 15 दिनों में पूरी होगी। ओंकारेश्वर से महेश्वर, बड़वानी, राजपीपला गरुड़ेश्वर (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र), भरूच होते हुए नर्मदा सागर संगम (खंभात की खाड़ी) जाकर यह यात्रा पूरी होगी। डॉ. अभिमन्युः यात्रा पौष महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को जो कि अंग्रेजी महीने के 22 दिसंबर से शुरू की है। हम नर्मदा मैया से यह आस लेकर निकले हैं, वो अपने आशीर्वाद से इस परिक्रमा को पूर्ण कराएं। हमें लगता है कि लगभग 15 दिनों में यह परिक्रमा माई के आशीर्वाद से पूर्ण हो जाएगी। लेकिन, इस पवित्र परिक्रमा में निकलने के पहले हमने कोई मनोभाव नहीं बनाया कि कितने दिन में पूरी हो। यह धर्म की यात्रा है इसलिए बस श्रद्धा और परमात्मा के ऊपर सब छोड़ दिया है।

आंचलिक

फोरलेन कंपनी पर 73 लाख की पेनल्टी, अवैध खनन करते पकड़ी थी पोकलेन और डंपर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर से मोरटक्का तक फोरलेन सड़क बना रही कंपनी पर खनिज विभाग ने शिकंजा कस दिया है। अवैध खनन के मामले में विभाग ने कंपनी पर 73 लाख रुपए की रॉयल्टी और पर्यावरण हर्जाने का आंकलन किया है। खनिज विभाग ने पूरा प्रकरण तैयार कर कलेक्टर कोर्ट में पेश कर दिया है, जहां से जुर्माने की राशि पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। जिला खनिज अधिकारी जगनसिंह भिंडे ने बताया कि अवैध खनन से हुए नुकसान का मूल्यांकन करने पर यह राशि 73 लाख रुपए पाई गई है। मामला 12 दिसंबर का है, जब खनिज इंस्पेक्टर कंचन दांडेकर ने ओंकारेश्वर-मोरटक्का क्षेत्र में छापामार

कार्रवाई की थी। मोरटक्का के पास एक निजी जमीन पर बिना परमिशन के मुरम खोदी जा रही थी। मौके से विभाग ने दो डंपर और एक पोकलेन मशीन जब्त की थी, जिन्हें मांधाता थाने में खड़ा करवाया गया है।

पेटी कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रही थी कंपनी

जांच में सामने आया कि जब्त मशीनें और डंपर केदारेश्वर कंपनी के हैं। वैसे तो यह कंपनी नेशनल हाईवे के तहत धनगांव से बलवाड़ा वाले प्रोजेक्ट का निर्माण कर रही है, लेकिन इसने ओंकारेश्वर रोड का पेटी कॉन्ट्रैक्ट भी लिया हुआ है। इसी काम के लिए कंपनी द्वारा अवैध उत्खनन किया जा रहा था। अब प्रकरण कलेक्टर कोर्ट में है, जहां कंपनी पर भारी जुर्माना लगना तय माना जा रहा है।

बिना पुनर्वास बांध निर्माण, 128 परिवार बेघर कलेक्ट्रेट के सामने धरने की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के खारक बांध से प्रभावित लोगों ने पुनर्वास की मांग को लेकर प्रदर्शन की चेतावनी दी है। प्रभावितों का कहना है कि बिना पुनर्वास के बांध का निर्माण कर दिया गया, जिससे 128 परिवार बेघर हो गए हैं और मजदूरी करने को मजबूर हैं। जाग्रत आदिवासी दलित संगठन के माध्यम से प्रभावितों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम एक पत्र भेजा है। उन्होंने एसडीएम विजेंद्र कटारे से भी जल्द पुनर्वास की मांग की है और चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे कलेक्ट्रेट में धरना देंगे। संगठन के प्रतिनिधि शिवराम कनासे ने बताया कि बांध का निर्माण 10 साल पहले बिना पुनर्वास के ही कर दिया गया था। सुनवाई न होने पर प्रभावितों ने न्यायालय का रुख किया था। खारक बांध की डूब को 10 साल और सर्वोच्च न्यायालय के 2017 के आदेश को 8 साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक पुनर्वास नहीं हुआ है। जनवरी 2017 के आदेश में उच्चतम न्यायालय ने जल्द से जल्द समाधान करने और एक के बजाय तीन शिकायत निवारण प्राधिकरण (जीआरए) गठित करने का निर्देश दिया था।

एसआईआर सर्वे में 86 हजार वोटर्स कम, नये नियम से 181 पोलिंग बूथ बढ़े; दावे-आपत्ति 22 जनवरी तक

खंडवा ●एसआईआर सर्वे के बाद वोटर लिस्ट का फायनल ड्रॉफ्ट मंगलवार को जारी किया गया। इस दौरान खंडवा जिले में राजनीतिक प्रतिनिधियों को बुलाकर उन्हें डेटा दिया गया। सर्वे के दौरान, खास बात यह रही कि जिले में 86 हजार से ज्यादा वोटर कम हो गए हैं। वोटर्स कम होने की अलग-अलग वजह बताई गई हैं। फिलहाल 22 जनवरी तक दावे-आपत्ति बुलाए गए है। इसके बाद वोटर लिस्ट का 21 फरवरी को अंतिम प्रकाशन होना हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश सावले ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दावे-आपत्ति दर्ज करने का कार्य 23 दिसंबर से 22 जनवरी 2026 के बीच किया जाएगा। आपत्तियों का निपटान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा 14 फरवरी तक किया जाएगा। इसके बाद निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को होगा। उपजिला निर्वाचन अधिकारी सावले ने बताया कि 27 अक्टूबर की स्थिति में जिले में कुल 10 लाख 29 हजार 806 मतदाता थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं।

दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

रेगिस्तान की आहट और अरावली का संकट, क्या चंद खनिजों के लिए दांव पर लग गई करोड़ों लोगों की सांसें?

सच यह है कि एक ओर दुनिया भर में पारिस्थितिकी तंत्र और उसकी सुरक्षा के लिए हर स्तर पर चिंता जताई जा रही है, तो दूसरी ओर विकास के नाम पर चलने वाली कुछ कवायदों के पर्यावरण पर असर को लेकर कई तरह की आशंकाएं भी उभर रही हैं। पिछले कुछ समय से देश में खनन के औचित्य और इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर कई सवाल उठे हैं, लेकिन यह पूरा मसला विकास बनाम प्रकृति के संरक्षण के द्वंद्व में उलझ कर रह जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि विकास की दिशा को बाधित करना प्रतिगामी हो सकता है, लेकिन सवाल यह है कि अगर प्रकृति के बेलगाम दोहन की कीमत पर दुनिया प्रगति का रास्ता अपनाती है, तो उसका हासिल क्या होगा। अरावली पर्वत-शृंखला को लेकर हाल ही में आए अदालती आदेश के आलोक में एक बार फिर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना एक बड़ी आबादी और इलाके के लिए जीवन-रेखा तथा सुरक्षा की एक मजबूत दीवार के रूप में मौजूद है, तो उसके संरक्षण के मुद्दे पर किसी जागरूक समाज की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए। गौरतलब है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे जमीन के हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अरावली को लेकर अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका खड़ी हो गई है कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव सामने आ सकते हैं। दरअसल, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पर्वत शृंखला को समूचे उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की दृष्टि से एक प्राकृतिक दीवार की तरह देखा जाता है। मगर पिछले कुछ दशकों से अरावली क्षेत्र को जिस तरह पत्थर, रेत और खनिज संसाधनों की मांग पूरी करने के लिए खनन का केंद्र बना दिया गया है, क्या उसके गंभीर खमियाजों का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता? हालांकि इस मसले पर उठे सवालों और विरोध के बाद केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा कि खनन गतिविधि अरावली के कुल क्षेत्र में से केवल '0.19 फीसद हिस्से' में ही करने की इजाजत होगी। मगर खनन का दरवाजा एक बार खुल जाने के बाद यहीं तक सीमित रहेगा, इसकी क्या गारंटी है? पिछले कुछ दशकों के दौरान जैसे-जैसे अरावली क्षेत्र में लोगों की गतिविधियां बढ़ी हैं, अपनी सुविधा और स्वार्थ में इस इलाके की प्राकृतिक संरचना को होने वाले नुकसान के सवाल की घोर अनदेखी हुई है। निर्बाध तरीके से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, संगमरमर और धात्विक खनिजों की निकासी ने अरावली की पहाड़ियों और जंगलों पर विपरीत असर डाला और अब आसपास के शहरों की आबोहवा तथा भूजल के स्तर की हालत देखी जा सकती है। कुछ प्रत्यक्ष और घातक परिणामों के बावजूद आखिर अरावली के संरक्षण का सवाल सरकार की नजर में महत्त्वपूर्ण नहीं है तो इसके क्या कारण हैं? माना जाता है कि पश्चिमोत्तर भारत में भूजल का स्तर फिर से बहाल करने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की रोजी-रोटी बचाने के लिए अरावली जरूरी है। इसलिए पर्यावरण विशेषज्ञ अरावली को उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की नजर से देखने और आंकने की जरूरत पर जोर देते रहे हैं।सच यह है कि एक ओर दुनिया भर में पारिस्थितिकी तंत्र और उसकी सुरक्षा के लिए हर स्तर पर चिंता जताई जा रही है, तो दूसरी ओर विकास के नाम पर चलने वाली कुछ कवायदों के पर्यावरण पर असर को लेकर कई तरह की आशंकाएं भी उभर रही हैं।

अटल स्मृति वर्ष : विचार जो अटल थे, संकल्प जो मोदी जी ने साकार किए

25 दिसंबर केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की वैचारिक यात्रा का स्मरण दिवस है। यह वह दिन है, जब राष्ट्र अटल बिहारी वाजपेयी जी जैसे युगद्रष्टा नेता की जन्मजयंती मनाता है। उनका जन्मशताब्दी वर्ष हमें उनके विचारों, संकल्पों और सपनों को और गहराई से आत्मसात करने का अवसर देता है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा अटल स्मृति वर्ष के रूप में इस कालखंड को मनाना, अतीत के गौरव को वर्तमान की जिम्मेदारी और भविष्य के संकल्प से जोड़ने का सशक्त प्रयास है।

अटल जी का व्यक्तित्व विचार और संवेदना का दुर्लभ संगम था। वे दृढ़ राष्ट्रवादी थे, किंतु संवाद और सहमति के पक्षधर भी। सत्ता में रहते हुए भी उनकी भाषा में मर्यादा और व्यवहार में विनम्रता रही। कविता उनकी आत्मा थी और राष्ट्रसेवा उनका जीवन-संकल्प। यही कारण है कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गरिमा के प्रतीक के रूप में स्मरण किए जाते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने सुशासन को व्यवहार में उतारा। पोखरण परमाणु परीक्षणों से भारत की सामरिक आत्मनिर्भरता स्थापित हुई, तो कारगिल जैसे कठिन समय में उन्होंने पूरे देश को एकजुट नेतृत्व दिया। स्वर्णिम चतुर्भुज, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और दूरसंचार क्षेत्र में किए गए सुधार-ये सभी उस विकसित भारत की आधारशिला बने, जिसकी दूरदृष्टि अटल जी ने वर्षों पहले देख ली थी। अटल बिहारी वाजपेयी जी का मध्यप्रदेश से रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, ऐतिहासिक और भावनात्मक भी था। ग्वालियर को कर्मभूमि बनाकर उन्होंने इस प्रदेश से आत्मीय संबंध स्थापित किया। ग्वालियर की जनता ने उन्हें लोकसभा में भेजा, तब यह केवल एक चुनावी विजय नहीं थी, बल्कि कठिन समय में दिया गया वह विश्वास था जिसने अटल जी को राष्ट्रीय नेतृत्व की नई ऊर्जा प्रदान की। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मभूमि ग्वालियर को यह भी गौरव प्राप्त है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानवदर्शन' की वैचारिक धारा को यहीं प्रथम स्वर मिला। अटल जी की विचारशील राजनीति और एकात्म मानवदर्शन की यह संगति ग्वालियर को भारतीय लोकतंत्र की वैचारिक चेतना का विशेष केंद्र बनाती है। अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर ग्वालियर की धरती का पुनः राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनना कोई संयोग नहीं, बल्कि वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। 25 दिसंबर को माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का ग्वालियर आगमन और 'अभ्युदय एमपी ग्रोथ समिट-2025' जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उनकी सहभागिता, अटल जी की विकास-दृष्टि को वर्तमान भारत से जोड़ने वाला सशक्त संदेश है। जिस ग्वालियर ने अटल जी को राष्ट्रनेतृत्व की नई दिशा दी थी, वही ग्वालियर आज उनके विचारों के अनुरूप विकास,सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के नए अध्याय का साक्षी बन रहा है। अटल जी का सपना था-एक ऐसा भारत जो मजबूत भी हो और संवेदनशील भी; जो विकास करे, पर मूल्यों से विमुख न हो; जो आत्मनिर्भर बने, पर विश्व के साथ संवाद बनाए रखे। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे बढ़ता राष्ट्र उसी अटल दृष्टि का आधुनिक और सशक्त विस्तार है। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मजबूत आधारभूत संरचना और वैश्विक मंच पर भारत की निर्णायक भूमिका ये सभी अटल जी के स्वप्न को साकार करते हुए दिखाई देते हैं। अटल जी के विचारों की दृढ़ता को यदि किसी ने निकट से जिया है, तो वह हमारी पीढ़ी है। मुझे स्मरण है वर्ष 1980 का वह समय, जब मैं मात्र 16 वर्ष का था। उसी वर्ष मेरे पिताजी स्वर्गीय विजय खंडेलवाल जी बैतूल जिले के पहले निर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष बने। जनता पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। संख्या बल सीमित था,कार्यकर्ताओं पर दबाव था,सत्ता का आकर्षण त्याग कर हम एक कठिन वैचारिक यात्रा पर निकले थे।

उसी दौर की एक स्मृति आज भी मन में ताज़ा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी हमारे घर आए थे,साधारण माहौल, खाने की मेज़ पर बातचीत, कभी हल्की मुस्कान, कभी आत्मीय ठहाका। अटल बिहारी वाजपेयी जी कभी बोझिल नहीं दिखते थे। चुनौतियाँ थीं,लेकिन उनके चेहरे पर निराशा नहीं होती थी। वे बड़े सहज भाव से कहते थे कि आज हम कम ज़रूर हैं, पर हमारा भरोसा मजबूत है,और यही भरोसा आगे चलकर ताक़त बनेगा। उनका विश्वास यही था कि यह रास्ता भले कठिन हो, पर सही है-क्योंकि यह सत्ता का नहीं, राष्ट्रसेवा का मार्ग है। उनकी वही सहजता, आत्मबल और भविष्य पर अडिग भरोसा हम जैसे युवाओं के लिए उस समय सबसे बड़ा संबल बन गया। आज पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो लगता है कि अटल जी की वही अडिग दृष्टि आज यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण सिद्धि को प्राप्त हुई है। भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। यह केवल संगठनात्मक विस्तार नहीं, बल्कि विचार की विजय है। भाजपा आज सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि जनकल्याण, लोककल्याण और सेवा-आधारित सुशासन का पर्याय बन चुकी है। अटल जी का वह विश्वास, जो 1980 में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में व्यक्त हुआ था, आज विकसित भारत के संकल्प के रूप में साकार खड़ा है-आत्मविश्वास से भरा, संकल्पबद्ध और राष्ट्रहित को समर्पित। अटल स्मृति वर्ष हम सभी के लिए अवसर है अपने सार्वजनिक जीवन,सामाजिक आचरण,और राष्ट्रीय कर्तव्यों में उन मूल्यों को अपनाने का ,जिनका प्रतिनिधित्व अटल जी करते थे। उनके विचारो को स्मरण में नहीं आचरण में उतारना ही उन्हें सच्ची श्राद्धांजलि होगी।

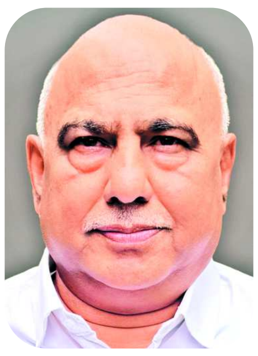

-हेमन्त खण्डेलवाल - लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के अध्यक्ष हैं।

देश के लिए जीने वाले अटल इरादों वाले नेता

भारत ने करवट ले ली है। देश अब अतीत की कमियों को दूर कर स्वाभिमान और स्वावलंबन के साथ 'विकसित भारत' के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की विरासत को और आगे ले जा रहे हैं। अटलजी के स्वप्नों का लोक-कल्याणकारी, शक्तिसंपन्न, अडिग, अजेय, समर्थ और विश्व का मार्गदर्शन करने वाले राष्ट्र का उत्थान होते दुनिया देख रही है। भारतीय लोकतंत्र के लिए 25 दिसंबर एक जननायक की जन्मतिथि मात्र नहीं है। यह उस विचार, संस्कार और राजनीतिक परंपरा का स्मरण दिवस है, जिसने सत्ता को सेवा, राजनीति को मर्यादा और राष्ट्रनीति को नैतिक बल प्रदान किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक से लेकर जनसंघ और फिर भाजपा की उनकी राजनैतिक यात्रा सर्वसमावेशी व्यक्तित्व की प्रतीक रही है। यही कारण है कि विश्व ने उन्हें अजातशत्रु के रूप में जाना। अटल जी का जन्मदिवस आज अटल स्मृति वर्ष के रूप में मना जा रहा है। यह इस बात का संकेत है कि भारत केवल व्यक्तियों को नहीं बल्कि उनके विचारों और मूल्यों का भी स्मरण करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के उन दुर्लभ नेताओं में थे जिनका व्यक्तित्व सत्ता से बड़ा और समय से आगे दिखाई देता था। वे ऐसे राजनेता थे जो विचारधारा में अडिग रहते हुए भी संवाद में उदार थे। अटल जी के लिए राजनीति लोकतांत्रिक विमर्श की साधना की भांति रही। संसद में भले ही विषय कितना ही संवेदनशील क्यों न हो अटलजी का वक्तव्य कभी कटु नहीं होता था। वे शब्दों से आघात नहीं करते थे, बल्कि तर्क, तथ्य और भाव से अपनी बात रखते थे। संसदीय परंपरा में अटल बिहारी वाजपेयी का आचरण एक आदर्श की तरह दिखाई देता है। उनकी यह विशेषता भारतीय लोकतंत्र को एक नैतिक ऊँचाई प्रदान करती है जिसमें असहमति शालीनता से व्यक्त की जा सकती है और विरोध भी गरिमामय तरीके से किया जा सकता है।

25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में जन्में अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक फिर जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से राष्ट्र सेवा करते हुए एक प्रकाशवान नक्षत्र की तरह भारतीय लोकतंत्र में प्रेरणा की तरह स्थापित हो गए। अटल जी को भाजपा का प्रथम अध्यक्ष होने का गौरव भी प्राप्त है। मुंबई अधिवेशन में दिया गया उनका वह भाषण प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए मानों संकल्प और संबल बन गया जिसमें उन्होंने कहा था-अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। और उनकी वाणी सत्य हुई, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सूर्य अपनी छंटा बिखेर रहा है, कमल खिल रहा है और अंधेरा छंट चुका है। अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिक परंपरा से आए थे। उन्होंने राजनीति में रहते हुए विचारधारा को समावेशी राष्ट्रीयता का स्वरूप दिया। वे जानते थे कि राष्ट्रनिर्माण के लिए संवाद, विश्वास और सहभागिता आवश्यक तत्व हैं। उनकी राजनीति में राष्ट्र सर्वोपरि था और राष्ट्र का अर्थ केवल सीमाएँ नहीं बल्कि जनता, संस्कृति और मानवीय संवेदना भी थी। यही कारण है कि वे दृढ़ निर्णय लेने वाले नेता थे और करुणा से भरे कवि भी थे।

प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल आज के भारत के विकास की नींव का कालखंड माना जाता है। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना ने देश को भौगोलिक रूप से जोड़ा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने गाँवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा, किसान फसल बीमा योजना ने किसानों को संबल प्रदान किया, दूरसंचार क्रांति ने भारत को डिजिटल भविष्य की ओर अग्रसर किया। अटलजी जब 1996 में देश की पहली गैर कांग्रेसी सरकार के प्रधानमंत्री बने तो भारत की जनता ने महसूस किया कि लोकतंत्र की अवधारणा के अनुसार जनता के द्वारा, जनता के लिए, जनता की सरकार सही अर्थों में क?या होती है। जनता से जाना कि दीनदयाल जी और डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की वैचारिक विरासत का सुशासन सही अर्थों में क्या होता है। अटलजी गठबंधन की सरकार के प्रधानमंत्री थे। इससे पूर्व राजनीतिक दलों के गठबंधन इसलिए सफल नहीं हो पाते थे क्योंकि आशंकाएं, अविश्वास, महत्वाकांक्षाएं और संवाद की कमी उन्हें मजबूत नहीं होने देती थी। परिणामस्वरूप गठबंधन की सरकारें अस्थिर रहती थीं। यह अटलजी की ऐतिहासिक सफलता थी कि उन्होंने गठबंधन की राजनीति को स्थायित्व दिया और यह भी सिद्ध किया कि सहयोग से चलने वाली सरकारें भी निर्णायक और प्रभावी हो सकती हैं। यह भारतीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

एक समर्थ, सक्षम और शक्तिशाली भारत उनके स्वप्नों में रहता था। वे जानते थे कि राष्ट्रहित में कठोर निर्णय भी आवश्यक हैं और मानवीय पहल भी जरूरी हैं। राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण-2 का निर्णय लेकर अटलजी ने भारत की सामरिक क्षमता को वैश्विक मंच पर दमदार तरीके से स्थापित किया। यह निर्णय साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक था। अटलजी ने लाहौर बस यात्रा कर यह संदेश भी दिया कि भारत की नीति में शक्ति का उद्देश्य युद्ध नहीं बल्कि शांति है। वहीं करगिल घाटी से दुश्मन की सेनाओं को खदेड़ने की उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति के लिए उन्हें युगों-युगों तक याद किया जाएगा।

केवल राजनीतिक निर्णयों के माध्यम से अटल बिहारी वाजपेयी के पूरे व्यक्तित्व को नहीं समझा जा सकता। वे एक संवेदनशील कवि थे, जिनकी कविताओं में राष्ट्र गुनगुनाता था। उनकी रचनाओं में आशा, विश्वास, दृढ़ता के साथ राष्ट्र के पुनर्निर्माण का संकल्प भी है। वे शब्दों के माध्यम से समाज का जागरण करते थे तो भारत के स्वर्णिम भविष्य के प्रति आश्वस्त भी करते थे। आज भी उनकी कविताएँ भारतीय चेतना को जागृत करती हैं और यह याद दिलाती हैं कि राष्ट्र केवल वर्तमान नहीं बल्कि इतिहास की स्मृति और भविष्य के संकल्पों दोनों का सम्मिलित स्वरूप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जिस दृढ़ संकल्प के साथ देश को एक सक्षम और निर्णायक नेतृत्व प्रदान करते हुए सच्चे अर्थों में अटल जी के 21 सदी भारत की सदी बाने के स्वप्न को साकार कर रहे हैं। निर्णायक और पारदर्शी शासन, भ्रष्टाचार मुक्त अर्थव्यवस्था और तकनीकि आधारित पारदर्शी लोक कल्याणकारी योजनाएं अटल जी की विरासत को संभालने और उसे आगे ले जाने के महत्वपूर्ण प्रयास हैं। आज भारत का जो चित्र सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से विश्व पटल पर उभर रहा है।अटल स्मृति वर्ष और 25 दिसंबर हमें यह विचार करने का अवसर देते हैं कि हम अटल जी के बताए मार्ग पर कितनी दृढ़ता से चलते हुए उनसे प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। उनका जीवन यह सिखाता है कि लोकतात्रिक परंपराओं, राष्ट्रीयता, व्यक्तिगत जीवन में शुचिता, सकारात्मकता और धैर्य के साथ राष्ट्र व समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन किस प्रकार करना है। अटल जी किसी एक दल या कालखंड के नहीं, बल्कि समूचे भारतीय लोकतंत्र की धरोहर हैं। उनका स्मरण केवल अतीत की ओर देखने का नहीं, बल्कि भविष्य के लिए मार्गदर्शन लेने का अवसर है। 25 दिसंबर और अटल स्मृति वर्ष हमें यह संकल्प दिलाते हैं कि राजनीति राष्ट्रसेवा और लोककल्याण का साधन है।

-हितानंद शर्मा (लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

'अजातशत्रु' अटल: राजनीति के मरुस्थल में संवेदना की शीतल छांव

भारतीय राजनीति के फलक पर कुछ नाम कालजयी हस्ताक्षरों की तरह अंकित हो जाते हैं, जिन्हें न समय की धूल धुंधला सकती है और न ही विचारधाराओं की संकीर्ण दीवारें बांध सकती हैं। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसा ही विरल नाम है। 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर की साधारण गलियों से शुरू हुआ उनका सफर, रायसीना हिल्स के सर्वोच्च शिखर तक पहुँचा, लेकिन इस लंबी यात्रा में उनके भीतर का 'फक्कड़ कवि' कभी राजनीति के दांव-पेंचों में गुम नहीं हुआ। आज उनकी 100वीं जयंती पर देश उस महानायक को स्मरण कर रहा है, जिसने सिखाया कि सत्ता केवल संख्या बल का खेल नहीं, बल्कि मर्यादा और संवाद का अनुष्ठान है।

शब्द जिनके सारथी थे : अटल जी का व्यक्तित्व विरोधाभासों का एक सुंदर समन्वय था। वे एक तरफ वज्र के समान कठोर निर्णय लेने वाले राष्ट्रनायक थे, तो दूसरी तरफ कुसुम के समान कोमल हृदय कवि। उनके भाषणों में जो जादुई ठहराव था, वह केवल वक्तृत्व कला का हिस्सा नहीं था, बल्कि वह शब्दों को तौलने और सत्य को संप्रेषित करने की साधना थी। 1957 में जब युवा अटल पहली बार संसद पहुँचे, तो उनके ओजस्वी तर्कों ने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने भविष्यवाणी कर दी थी, 'यह लड़का एक दिन देश का प्रधानमंत्री बनेगा।' शेष इतिहास गवाह है।

मर्यादा और मूल्यों की राजनीति : आज के दौर में जब राजनीतिक विमर्श में कटुता और व्यक्तिगत आक्षेपों की भरमार है, अटल जी का स्मरण एक शीतल बयार की तरह महसूस होता है। वे सदन में प्रखर विरोधी थे, लेकिन व्यक्तिगत जीवन में उनके मन में विरोधियों के प्रति भी अगाध सम्मान था। 1971 के युद्ध में भारत की विजय पर उन्होंने वैचारिक मतभेदों को किनारे रखकर इंदिरा गांधी की खुले मन से प्रशंसा की थी। उनका स्पष्ट मानना था कि मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, लेकिन 'मनभेद' राष्ट्र की कमजोरी।

सत्ता के प्रति उनकी विरक्ति और राष्ट्र के प्रति उनकी आसक्ति का सबसे जीवंत उदाहरण वह क्षण था, जब केवल एक मत से उनकी सरकार गिर गई थी। उस समय उन्होंने विचलित हुए बिना मुस्कुराते हुए कहा था, 'सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी, मगर ये देश रहना चाहिए।' यह वाक्य मात्र एक बयान नहीं, बल्कि उनके जीवन का वह मूल दर्शन था जिसे उन्होंने अंतिम सांस तक जिया।

कूटनीतिः मखमली दस्ताने में फौलादी हाथ : अटल जी की छवि एक 'उदारवादी' नेता की थी, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर वे रत्ती भर भी झुकने को तैयार नहीं थे। 1998 का पोखरण परमाणु परीक्षण उनकी उसी लौह-इच्छाशक्ति का परिचायक था। दुनिया के ताकतवर देशों के प्रतिबंधों और अमेरिकी दबाव की परवाह किए बिना उन्होंने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाया। वैश्विक मीडिया, विशेषकर 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने तब लिखा था कि वाजपेयी ने भारत की वैश्विक स्थिति को सदा के लिए बदल दिया है।

अटल जी केवल शक्ति के उपासक नहीं, बल्कि शांति के अग्रदूत भी थे। उन्होंने 'सदा-ए-सरहद' बस सेवा के जरिए पाकिस्तान की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया। लाहौर की गलियों में जब वे उतरे, तो पाकिस्तानी अवाम उनके मुरीद हो गई। वहां के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने यहां तक कह दिया था कि 'वाजपेयी जी आप अगर पाकिस्तान में चुनाव लड़ें, तो वहां भी जीत जाएंगे।' हालांकि, जब इसी शांति के बदले कारगिल में विश्वासघात मिला, तो उन्होंने सैन्य शक्ति का वह प्रलयंकारी स्वरूप भी दिखाया जिसने घुसपैठियों के छक्के छुड़ा दिए।

संगठन का वटवृक्ष और फक्कड़पन : आज भारतीय जनता पार्टी जिस सुदृढ़ वटवृक्ष के रूप में खड़ी है, उसकी जड़ों को अटल जी ने अपने पसीने से सींचा था। जनसंघ के दौर में जब संसाधन सीमित थे, तब वे साइकिलों, बैलगाड़ियों और रेल की जनरल बोगियों में सफर करते हुए संगठन को खड़ा कर रहे थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनका 'ग्वालियर वाला फक्कड़पन' बरकरार रहा। दोस्तों के साथ चाट-पकौड़ी का आनंद लेना हो या पराजय के बाद 'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा' का संकल्प लेना, उन्होंने पद को कभी अपने सहज व्यक्तित्व पर हावी नहीं होने दिया।

एक जीवंत विरासत : अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि भारत की साझी संस्कृति और लोकतांत्रिक शुचिता के प्रतीक थे। उन्होंने 'इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत' का जो मंत्र दिया, वह आज भी कश्मीर समस्या के समाधान का सबसे मानवीय मार्ग है। उनके लिए राजनीति 'सत्ता का गलियारा' नहीं, बल्कि 'सेवा का मार्ग' थी।

उनकी जन्म जयंती पर यह विचार करना आवश्यक है कि क्या हम उस मर्यादा और संवाद की परंपरा को सहेज पा रहे हैं जो अटल जी की विरासत थी? वे अक्सर कहते थे, 'मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं, लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं।' सत्य तो यह है कि अटल जी कहीं गए ही नहीं हैं। वे अपने कविता के छन्दों में, संसद की मर्यादाओं में और 'राष्ट्र प्रथम' के उस विचार में सदैव जीवित रहेंगे जो भारत की चेतना का आधार है।

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र विचारक एवं लेखक

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित के शतक से मुंबई जीती

जयपुर (एजेंसी) • बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मुंबई की ओर से खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ 155 रनों की आक्रामक पारी खेली। एक दशक के बाद ये टूर्नामेंट खेल रहे रोहित की इस शतकीय पारी से मुंबई ने सिक्किम को आसानी से हरा दिया। इस मैच में मुंबई को जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे उसने 30.3 ओवर में ही दो विकेट पर 237 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस प्रकार मुम्बई को 8 विकेट से जीत मिली है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की ओर से अंगकृष रघुवंशी और रोहित शर्मा की जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 141 रन बनाये। अंगकृष रघुवंशी 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके लगाये। वहीं रोहित एक छोर पर जमे रहे और उन्होंने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 94 गेंदों में 18 चौके और नौ छक्के लगाकर 155 रनों रन बनाये। वह 30वें ओवर में क्रांति कुमार का शिकार बने। मुंबई ने 30.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। उस समय मुशीर खान 27 और सरफराज खान 8 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिक्किम ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 236 रन बनाये। आशीष थापा ने सिक्किम की ओर से सबसे अधिक 79 रन बनाये। वहीं मुंबई की ओर से शार्दुल ठाकुर ने छह ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए जबकि तुषार देशपांडे जबकि , तनुष कोटियान, शम्स मुलानी और मुशीर खान को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय हॉकी टीम विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार :

कोपनहेगन (एजेंसी) • बेल्जियम के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी आर्थर वैन डोरेन ने कहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है ओर वह 2026 में होने वाले विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं माना जा सकता है।डोरेन ने कहा, 'भारत को बड़ा दावेदार न मानना बड़ी भूल होगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार सफलता हासिल की है। उसने ओलंपिक में भी पिछली बार कांस्य पदक जीता था। इससे साफ है कि टीम का स्तर पहले से बेहतर हुआ है।

डोरेन के अनुसार भारतीय टीम का संतुलन अच्छा है। उन्होंने कहा, ''उनके पास हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, युवा वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम को पिछले कुछ समय में किसे प्रयासों का लाभ मिला है। डोरेन ने कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया सकता है और खिताबी दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए राह आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगी हैं। इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहेगा।

डोरेन ने भारत के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'भारतीय हॉकी टीम विश्व की किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं।

कमिंस शायद ही खेल पायें टी20 विश्वकप

मेलबर्न (एजेंसी) • ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस का अगले साल फरवरी में शुरु हो रहे टी20 विश्व कप में खेलना तय नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार कमिंस अभी तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले दो मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट में वापसी की और छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में 3-0 से जीत दिल दी। इसके बाद उन्हें बचे हुए दो मैचों के लिए आराम दिया जा रहा है ताकि वह पूरी तरह से फिट हो सकें। इससे साफ है कि वह शायद ही टी20 विश्व कप में खेल पाये। ऑलराउंडर मिचेल मार्श टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'विश्व कप के लिए कमिंसटीम में शामिल होंगे या नहीं, मैं अभी इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कर सकता। अभी को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि कि वह फिट नहीं हैं पर हमें उम्मीद है कि विश्वकप तब तक फिट हो जाएंगे।

फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' का फिर चर्चा में

मुंबई (एजेंसी) • कार्तिक आर्यन की फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक साइलेंट वॉकिंग सीन एक बार फिर सुर्खियों में है और इस बार इसकी वजह बने हैं सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। सालों पहले पर्दे पर आया यह शांत लेकिन बेहद प्रभावशाली पल अब दोबारा चर्चा का विषय बन गया, जब अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक आर्यन की खुलकर तारीफ की। अमिताभ बच्चन ने फिल्म का जिक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके ज़हन में आज भी ताजा है। यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना कोई संवाद बोले, पूरी गंभीरता और खामोशी के साथ वहां से चला जाता है। उस दृश्य में शब्दों की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि भावनाएं खुद दर्शकों तक पहुंच जाती हैं। बिग बी ने इस पल को याद करते हुए कहा कि उन्हें आज भी वह शॉट याद है, जिसमें कार्तिक को सिर्फ 'ना' कहना था, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा और चुपचाप चलकर निकल गए।

सोनम 'बॉर्डर 2' से करेंगी शुरुआत

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री सोनम बाजवा वर्ष 2026 की शुरुआत फिल्म 'बॉर्डर 2' से करेंगी। वर्ष 2025 में पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार सोनम बाजवा ने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। बॉलीवुड के अपने पहले ही साल में, अभिनेत्री तीन बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहीं, जिसमें हाउसफुल 5, बागी 4 और एक दीवाने की दीवानियत के नाम शामिल हैं। अब वह इस कामयाबी को अगले साल भी जारी रखने के लिए तैयार हैं, जिसकी शुरुआत साल के पहले महीने में ही एक बड़ी रिलीज़ से होगी। हाल ही में 'बॉर्डर 2' का टीज़र रिलीज़ किया गया है, जिसमें सोनम युद्ध पर आधारित इस ड्रामा फिल्म में दिलजीत दोसांझ के अपोजिट नज़र आएंगी। यह सोनम की चौथी हिंदी फिल्म है। सोनम ने अपनी सभी हिंदी फिल्मों में बड़े कलाकारों के साथ काम किया है, जो उनकी स्टार पॉवर को साबित करता है। जहां 2025 का अंत उनके लिए 'एक दीवाने की दीवानियत' के साथ शानदार रहा, वहीं 2026 की शुरुआत 'बॉर्डर 2' के साथ और भी बड़ी होने वाली है।

सोनम बाजवा ने 'बॉर्डर 2' के बारे में बात करते हुए कहा, 'निर्देशक अनुराग सिंह ने 'बॉर्डर 2' के लिए मुझसे संपर्क किया। हमारा काम का रिश्ता पहले से ही बहुत अच्छा है, क्योंकि हमने पहले भी साथ काम किया है। दिलचस्प बात यह है कि उन दोनों फिल्मों में भी दिलजीत मेरे साथ थे, इसलिए पंजाब में हमारा साथ काफी खास रहा है।'

उज्जैन संभाग

अडानी ग्रुप 1500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा, फार्मा कंपनी भी लगाएगी यूनिट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •विक्रम उद्योगपुरी में 17 हजार करोड़ रुपए की नई इंडस्ट्री लगने के बाद जल्द ही फार्मा की नई इंडस्ट्री और अडानी ग्रुप भी 1500 करोड़ रुपए के नए इंवेस्टमेंट कर उज्जैन में नई इंड्रस्ट्री लगाएंगे। इतनी बड़ी इंडस्ट्री लगने के बाद एमपीआईडीसी एक पोर्टल बनाकर लॉन्च करेगी जिसमे किस इंडस्ट्री में रोजगार है किसे वेंडर की जरूरत है उन सभी की डिटेल उस पोर्टल में मौजूद रहेगी।

बुधवार को एमपीआईडीसी ने बीते 2 वर्षो में संभाग में लगी नई इंडस्ट्री के बारे में जानकारी देने के लिए विक्रम उद्योगपुरी में एमपीआईडीसी के निदेशक राजेश राठौर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए प्रजेंटेशन में बताया कि सीएम डॉ. मोहन यादव प्रयासों दो वर्ष में उज्जैन संभाग में 38 हजार करोड़ और उज्जैन में जिले में 17 हजार करोड़ का इंवेस्टमेंट आया है, जिसमें कई बड़ी नामी कंपनी भी शामिल हैं। जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला है। अभी 25 हजार करोड़ के नए प्रस्ताव मिले हैं। उज्जैन में जल्द ही नई फार्मा इंडस्ट्री आएगी। लोकल वेंडर और यहां के युवा के लिए जो रोजगार की सूचना मिलती रहे इसके लिए जल्द ही एक पोर्टल लॉन्च करेंगे। साथ ही दो उद्योग यहां बच्चों को ट्रेनिंग भी देंगे।

चक्रतीर्थ का कायाकल्प पूरा, एयरपोर्ट की तर्ज पर बना टेंसाइल फैब्रिक शेड

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • चक्रतीर्थ में सौंदर्यकरण और विकास का काम पूरा हो गया है। नगर निगम ने यहां एयरपोर्ट की तरह आधुनिक टेंसाइल फैब्रिक शेड बनाया है। लोगों की सुविधा और धार्मिक स्थल की गरिमा को ध्यान में रखते हुए इस काम पर एक करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किया गया है। महापौर मद से 76 लाख रुपए खर्च कर 80 मीटर लंबा खास टेंसाइल फैब्रिक डोम शेड बनाया गया है। इसके अलावा निगम मद से 25 लाख रुपए खर्च कर अन्य जरूरी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। दाह संस्कार स्थल पर लगे पुराने और खराब पतरे हटा दिए गए हैं और उनकी जगह नए शेड लगाए गए हैं। यहां बैठने की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही रंगाई-पुताई, टॉयलेट निर्माण और रखरखाव, ओटलों का निर्माण, उनकी रंगाई-पुताई और मार्किंग जैसे कई जरूरी काम किए गए हैं।

महाकाल के भक्तों को सहजता से मिलेगा लड्डू प्रसाद, नए वर्ष पर मंदिर समिति लगाएगी अतिरिक्त काउंटर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर में वर्ष के अंतिम दिनों और नए वर्ष के पहले सप्ताह में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल का प्रसाद आसानी से उपलब्ध कराने के लिए मंदिर समिति ने अतिरिक्त प्रसाद काउंटर लगाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही प्रसाद निर्माण इकाई में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मिलने वाले भगवान महाकाल के लड्डू प्रसाद की मांग पर्वों, त्योहारों और नए वर्ष के अवसर पर काफी बढ़ जाती है। शुद्ध देशी घी से निर्मित यह लड्डू प्रसाद श्रद्धालु अपने साथ घर ले जाते हैं।

हर साल अंग्रेजी नव वर्ष पर देशभर से लाखों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस बार भी लाखों दर्शनार्थियों के आने का अनुमान है। सभी को सहजता से प्रसाद उपलब्ध कराने के लिए मंदिर समिति ने विशेष व्यवस्था की है। समिति हर वर्ष की तरह इस बार भी वर्ष के अंतिम दिन और नए वर्ष के पहले दिन मंदिर परिसर में स्थित आठ प्रसाद काउंटरों के अतिरिक्त काउंटर लगाएगी। ये काउंटर बड़ा गणेश मंदिर और विक्रमादित्य टीले के पास सहित अन्य आवश्यक स्थानों पर होंगे। प्रसाद निर्माण इकाई में भी लड्डू प्रसाद का अतिरिक्त स्टॉक रखने के लिए अधिक मात्रा में प्रसाद बनाने का काम शुरू हो गया है। सामान्य दिनों में यहां करीब 50 से 60 क्विंटल प्रसाद तैयार होता है, जबकि विशेष अवसरों पर अलग से निर्माण किया जाता है। मंदिर समिति 400 रुपए प्रति किलो के भाव से प्रसाद का विक्रय करती है। यह प्रसाद 100 ग्राम, 200 ग्राम, 500 ग्राम और एक किलो के पैक में उपलब्ध रहता है। पिछले वर्ष दिसंबर के अंतिम दिन और नए वर्ष के पहले दिन, दो दिनों में 150 क्विंटल प्रसाद की बिक्री हुई थी, जिससे मंदिर समिति को लगभग 70 लाख रुपए की आय हुई थी। इस बार अधिक भीड़ के अनुमान को देखते हुए उसी आधार पर तैयारियां की जा रही हैं।

चाइना डोर पर दूरबीन से निगरानी, लोगों के लगातार घायल होने के बाद पुलिस सख्त

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •पुलिस ने चाइना मांझे से लगातार गला कटने की घटना से सबक लेते हुए प्रतिबंधित चाइना डोर का उपयोग करने वालों पर दूरबीन से नजर रखना शुरू कर दी है। इससे पहले पुलिस बीते दो दिन से लगातार कार्यवाही कर चाइना डोर बेचने वालो को पकड़कर उनके खिलाफ कार्यवाही कर चुकी है। पुलिस अब उपयोग करने वालो पर भी प्रभावी कार्रवाई करने जा रही है। थाना चिमनगंज मंडी क्षेत्र में प्रतिबंधित चाइना डोर के उपयोग पर रोक लगाने के लिए बुधवार को के लिए विशेष निगरानी एवं जांच अभियान में दूरबीन का सहारा लिया गया। चाइना डोर का उपयोग करने वालों के खिलाफ पुलिस टीम ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए दूरबीन (बाइना कुलर) के माध्यम से छतों, खुले मैदानों एवं पतंग उड़ाने वाले संभावित स्थानों पर जांच की। सतर्क दृष्टि बनाए रखी।

अभियान का उद्देश्य न केवल प्रतिबंधित चाइना डोर का उपयोग करने वालों पर निगरानी रखना था, बल्कि इससे होने वाले जानलेवा हादसों को समय रहते रोकना भी था।

थाना प्रभारी ने कहा कि प्रतिबंधित चाइना डोर के निर्माण, विक्रय एवं उपयोग में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी।

एसपी कार्यालय में सुशासन को लेकर शपथ ग्रहण, पुलिस ने निष्पक्ष और जवाबदेह पुलिसिंग का लिया संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा • पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 25 दिसंबर 2025 को सुशासन दिवस के अवसर पर एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन की नीतियों को जनहितैषी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाते हुए पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना था। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह के निर्देशन में उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रतिपादित सुशासन के आदर्शों को आत्मसात करने और उन्हें व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया गया।

शपथ के माध्यम से पुलिस बल ने निष्पक्षता, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन दिवस प्रशासन को आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, समस्याओं का त्वरित समाधान और जनता के बीच विश्वास का माहौल बनाना भी पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व है। आगर-मालवा पुलिस की प्राथमिकता प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल, त्वरित और प्रभावी बनाकर आमजन को राहत पहुंचाना है। सिंह ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और मानवीय दृष्टिकोण के साथ करें, जिससे पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

लड़की से छेड़छाड़ के बाद आगजनी, ऑटो ड्राइवर के मोबाइल में 20 महिलाओं के वीडियो मिले

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महिदपुर रोड क्षेत्र में 16 वर्षीय लड़की से छेड़छाड़ के मामले में ऑटो चालक जुबेर मंसूरी को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया। उन्होंने पिटाई करने के बाद जुबेर को पुलिस के हवाले कर दिया गया। फिर स्कूल वाहनों से मुस्लिम ड्राइवरों को हटाने की मांग में प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ दुकानों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी लंबे समय से नाबालिग को कोचिंग छोड़ने और लाने का काम करता था। पुलिस को आरोपी के मोबाइल फोन से कुछ संदिग्ध वीडियो मिले हैं। इनकी जांच की जा रही है।

बजरंग दल के पदाधिकारियों का दावा है कि मोबाइल में 20 महिलाओं के वीडियो मिले हैं, जिनमें 12 महिलाएं महिदपुर की और 8 आसपास की हैं। घटना के बाद बुधवार सुबह से बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने महिदपुर रोड को जाम कर दिया। कार्यकर्ता आरोपी का जुलूस निकालने और उसका घर तोड़ने की मांग कर रहे थे। इस दौरान जिन दुकानदारों ने दुकानें खोलीं तो कुछ कार्यकर्ताओं ने उनकी दुकानों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी।

न्यूज ब्रीफ

संभागायुक्त कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारियों ने ली सुशासन की शपथ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के एक दिन पूर्व इंदौर जिले में सुशासन दिवस मनाया गया। इस मौके पर संभागायुक्त कार्यालय में संयुक्त आयुक्त श्री डी.एस. रणदा और उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई गई। सुशासन दिवस पर अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा प्रदेश में सुशासन के उच्चतम मापदंडों को स्थापित करने के लिए सदैव संकल्पित रहने और शासन को अधिक पारदर्शी, सहभागी, जनकल्याण केन्द्रित तथा जवाबदेह बनाने के लिये हरसंभव प्रयास करने की शपथ ली गई।

कार्यकर्ता ही कांग्रेस की नींव की है- श्रीमती नायडु

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला कांग्रेस की महती बैठक मध्यप्रदेश कांग्रेस की सहप्रभारी श्रीमती ऊषा नायडु की मौजूदगी एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े की अध्यक्षता में पालदा स्थित मल्हार हेरीटेज गार्डन में सम्पन्न हुई, जिसमें इन्दौर के ग्रामीण क्षेत्र की देपालपुर, राऊ, सांवेर एवं महू विधानसभा के ब्लाक, मंडलम एवं सेक्टर प्रभारियों के साथ ही जिला पंचायत, जनपद पंचायत के पदाधिकारी एवं सरपंचगणों के बीच श्रीमती नायडू ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता नींव का पत्थर है, जो कांग्रेस जैसे मजबूत दल को अपनी सक्रियता से मजबूती प्रदान कर रहा है, लेकिन देश में वोट चोरी के कारण हम देश व प्रदेश की सत्ता से दूर है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का छोटा नेता हो या बड़ा सभी को बीएलए 2 बनकर एस आई आर की मानिटरिंग करना होगी, साथ ही सेक्टर से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित कर यह देखना होगा कि हमारा संगठन या हमारा कार्यकर्ता कहां कमजोर है।

निगम का उद्यान विभाग निगमायुक्त के आदेशों को उड़ा रहा हवा

भंवरकुआ क्षेत्र जोनल 13 स्थित आदित्य नगर बगीचे की जमीन पर कब्जा, फेंकते है दिनरात कचरा, उद्यान अधिकारी यादव ने झाड़ा जिम्मेदारी से पल्ला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने उद्यान अधिकारी शांतिलाल यादव सहित सभी जोनल कार्यालयों के उद्यान विभाग से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर की कालोनियों के सरकारी बगीचे और उद्यानों की जमीनों को चिह्नित करते हुए वहां से अतिक्रमण, अवैध कब्जा हटाते हुए ऐसे उद्यानों को विकसित करवाया जाए। लेकिन भंवरकुआ क्षेत्र जोनल 13 स्थित आदित्य नगर के सरकारी बगीचे पर क्षेत्र के ही सुरेन्द्र सिंह भाटिया सहित अन्य लोगों ने कब्जा जमा लिया हैं। आदित्य नगर के उक्त बगीचे की जमीन पर उक्त परिवार के सदस्य और अन्य लोग इन दिनों कचरा फेंक रहे हैं। लेकिन नगर निगम की और से कोई कार्यवाही करने वाला वहां पहुंचने को तैयार नहीं हैं। दरअसल उक्त आदित्य नगर बगीचे को विकसित करने के लिए इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और क्षेत्रीय विधायक मधु वर्मा भी उद्यान विभाग को विकसित करने के लिए पत्राचार कर चुके हैं। लेकिन निगमायुक्त दिलीप कुमार यादव के निर्देशों के बावजूद भी उद्यान विभाग अधिकारी शांतिलाल यादव की नींद खुलने का नाम नहीं ले रही हैं। उनके जवाब टालमटोल हैं। मानो उन्हें ही अपनी जिम्मेदारी का कोई भान नहीं हैं।

भाटिया परिवार ने जमाया कब्जा-भंवरकुआ क्षेत्र जोनल 13 स्थित आदित्य नगर के उक्त बगीचे की जमीन पर पिछले लंबे समय से यही रहने वाले भाटिया परिवार ने एकतरफा कब्जा जमा लिया हैं। यहीं नहीं उक्त बगीचे की जमीन पर भाटिया परिवार घर से निकलने वाला पूरा कचरा फेंकता है। लेकिन इसके बावजूद भी उद्यान विभाग हो या फिर नगर निगम। इसके जिम्मेदारों की नींद तक खुलने को तैयार नहीं हैं।

हवा में उड़ाए निगमायुक्त के आदेश-हम जिस आदित्य नगर बगीचे की बात कर रहे हैं। अगर उसे देखा जाए तो उद्यान विभाग, जोनल 13 के जिम्मेदार हो। सभी ने नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव के आदेशों की धज्जियां तो उड़ाई ही हैं। बल्कि निगमायुक्त के आदेशों को हवा में उड़ा दिया हैं।

देखता हूं मुझे जानकारी नहीं-इधर जब नगर निगम उद्यान अधिकारी शांतिलाल यादव से चर्चा की उन्हें निगम कमिश्नर के आदेशों का हवाला दिया गया तो उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से ही पल्ला झाड़ लिया। दरअसल उद्यान अधिकारी शांतिलाल यादव का उक्त मामले में कहना था कि यह जिम्मेदारी जोनल 13 के जोनल अधिकारी की हैं। उनकी नहीं। यादव को जब मामला संज्ञान में लाते हुए कार्यवाही की बात पूछी गई तो उन्होंने कहा कि वह मामला दिखवाते है लेकिन काम तो जोनल 13 के जोनल अधिकारी को ही करना है वह कुछ नहीं करेंगे।

जो पेड़ पौधे थे उन्हें भी कटवा दिए

इधर क्षेत्र के ही अन्य रहवासी इस बात से भी खफा है कि नगर निगम के जिम्मेदार उक्त आदित्य नगर बगीचे मामले में कोई भी ठोस कार्यवाही करने से बच रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ बगीचे की जमीन पर कब्जा जमाए उक्त परिवार ने यहां पहले मौजूद हरे भरे पेड़ पौधों को ही कटवा दिया। लेकिन नगर निगम इंदौर के जिम्मेदारों ने कोई भी कार्यवाहीं नहीं की।

पशु मुक्त देपालपुर में आवारा कुत्तों का आतंक

नगर में छोटे बच्चे और गाड़ियों के पीछे कुत्ते लगते हैं दौड़

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

नगर परिषद देपालपुर स्वच्छता को लेकर नए-नए तरीके अपना रही है।जिसमें आवारा पशु मुक्त देपालपुर हो चुका है। स्वच्छता अभियान की टीम ने होटल और रेस्टोरेंट में डिस्पोजल आयटम को बंद करवा दिया है। लगातार नगर में स्वच्छता को लेकर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। जिसका परिणाम आने वाले समय में देखने को मिलेगा लेकिन वर्तमान में नगर परिषद के लिए आवारा कुत्ते बड़ी चुनौती बन गए पहले क्षेत्र में आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता था कहीं बाहर आवारा पशुओं से हादसे भी हो चुके हैं। लेकिन जब से देपालपुर नगर परिषद को इंदौर नगर निगम ने गोद लिया है तभी से देपालपुर नगर को आवारा पशुओं से मुक्ति मिल गई है। लेकिन वर्तमान हालातो में देपालपुर में हर गली और मोहल्ले में चौराहा पर आवारा कुत्तों ने आतंक मचा रखा है छोटे-छोटे बच्चे घर से निकलते हैं तो कुत्ते उनके पीछे दौड़ लगा देते हैं सड़कों पर निकल रहे वाहनों पर भी कुत्ते दौड़ते हैं कई बार गाड़ियां अनबैलेंस होकर गिर जाती है देखने में आया है कि आवारा कुत्तों के कारण क्षेत्र में पहले भी कई बार हादसे हुए हैं, नगर में केवल एक ही चर्चा है की देपालपुर को पशु मुक्त तो बना दिया लेकिन आवारा कुत्तों से कब छुटकारा मिलेगा देपालपुर की जनता ने मांग की है कि जिस प्रकार से पशुओं को गाड़ी में भरकर ले जाया गया इस प्रकार से आवारा कुत्तों को भी नगर से ले जाया जाए कुत्तों के डर से बच्चों ने घर से बाहर निकलना कम कर दिया है। क्योंकि उन्हें हमेशा डर रहता है कहीं आवारा कुत्ते उन पर हमला न कर दे। देपालपुर नगर परिषद के जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है तभी आवारा कुत्तों से देपालपुर को छुटकारा मिल सकता है।

सफर 500 मीटर का हो या 500 किमी का, हेलमेट जरूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के यातायात को सुगम, सुरक्षित बनाने के लिए उपायुक्त (यातायात जोन 4) आनंद कलादगी के निर्देशन में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को विजयनगर चौराहा पर यातायात पुलिस के साथ सीएसआर पहल के तहत जी लियन मोबाइल हेलमेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

घर से निकले तो हेलमेट पहनें-अभियान में डीसीपी ट्रैफिक आनंद कलादगी कहा कि आप टूव्हीलर पर घर से जब भी निकले तो हेलमेट जरूर पहनें, सफर चाहे 500 मीटर का हो या 500 किलोमीटर का दुर्घटना की संभावना हर समय रहती है। इसलिए अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें और दूसरों को प्रेरित करें। डीसीपी द्वारा वाहन चालकों को हेलमेट प्रदान किया और उन्हें सदैव हेलमेट लगाकर वाहन चलाने की हिदायत भी दी। इस अवसर पर एडिशनल डीसीपी संतोष कौल, एसीपी ट्रैफिक मनोज कुमार खत्री, थाना प्रभारी अरविन्द दांगी आदि मौजूद थे।

गड़बड़ी पर आयोजक जिम्मेदार, नशे में गाड़ी चलाते मिले तो होगी कार्रवाई

अलर्ट मोड पर आ गई पुलिस, थर्टी फर्स्ट पर हुड़दंगियों पर रहेगी 'कैमरों' की पैनी नजर, होटल, पब, रेस्टोरेंट, संचालकों को निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नए साल के जश्न से पहले पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। इस बार 31 दिसंबर की रात शहर में जश्न के साथ साथ सुरक्षा पर भी खास नजर रहेगी। पुलिस ने साफ कर दिया है कि न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान किसी भी तरह का हुडदंग, विवाद या अप्रिय स्थिति हुई तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आयोजकों की होगी। होटल, पब, रेस्टोरेंट, बार और रिसोर्ट संचालकों को अभी से नियमों का पालन करने के निर्देश दे दिए गए हैं। पुलिस ने नव वर्ष को लेकर पहले ही तैयारियां शुरू कर दी है। शहर के होटल, रिसोर्ट, पब और रेस्टोरेंट मालिकों के साथ लगातार बैठकें की जा रही है। आयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, सुरक्षाकर्मियों की तैनाती हो और रोशनी की पूरी व्यवस्था रखी जाए। खास तौर पर महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर ने साफ कहा है कि 31 दिसंबर को किसी भी प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन के लिए पहले से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित करने पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा यदि कार्यक्रम के दौरान कोई अनियमितता पाई गई या नियमों का उल्लंघन हुआ तो आयोजकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि किसी भी तरह की अप्रिय स्थित बनती है तो तुररंत पुलिस को सूचना दी जाए। नए साल के जश्न की आड़ में हुडदंग मचाने वालों को किसी भी हाल में ब शा नहीं जाएगा।

विशेष गश्त पेट्रोलिंग होगी-31 दिसंबर की शाम से शहरभर में पुलिस के विशेष बंदोबस्त रहेंगे। सभी थाना क्षेत्रों में गश्त, चैकिंग और पेट्रोलिंग की जाएगी। शराब के नशे मे वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। चौराहों और प्रमुख सड़कों पर ब्रीथ एनलाइजर से जांच की जाएगी, ताकि कोई भी नशे में गाड़ी न चला सके। हालाकि 31 दिसंबर में अभी कुछ दिन बाकी है लेकिन इंदौर पुलिस ने पहले से ही कमर कस ली है। आने वाले दिनों में पुलिस की ओर से न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर और भी विस्तृत गाइडलाइन जारी की जाएगी। इस बार साफ संदेश हैं जश्न मनाए लेकिन नियमों के दायरे में।

नगर निगम : महापौर ने बिजलपुर के पास संपवेल निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

संपवेल निर्माण से 3 करोड़ लीटर से ज्यादा जल संग्रह हो सकेगा

पश्चिम क्षेत्र में संपवेल निर्माण से सुदृढ़ होगी जलापूर्ति व्यवस्था

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में भविष्य की जल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा निरंतर जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा पश्चिम क्षेत्र अंतर्गत बिजलपुर के समीप फल बाग क्षेत्र में निर्माणाधीन संपवेल (जल संग्रहण केंद्र) का स्थल निरीक्षण किया गया। यह संपवेल लगभग राशि 18 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया जा रहा है, जिसकी संग्रहण क्षमता 3 करोड़ लीटर से अधिक होगी। इस अवसर पर जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा क्षेत्रीय पार्षद ओपी आर्य, कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव, कंसल्टेंट, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि सहित नगर निगम के अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निरीक्षण के दौरान बताया कि आगरा-मुंबई रोड के समीप स्थित फल बाग क्षेत्र में यह संपवेल विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से लगभग 3 करोड़ लीटर से अधिक जल का संग्रहण संभव होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम क्षेत्र के अन्नपूर्णा, द्वारकापुरी, राजेंद्र नगर, प्रगति नगर सहित ऊंचाई पर स्थित कई क्षेत्रों में वर्तमान में जलापूर्ति में तकनीकी कठिनाइयां आती हैं, जिसके कारण वहां स्थित पेयजल टंकियां अपनी पूर्ण क्षमता से नहीं भर पाती हैं। महापौर ने यह भी बताया कि वर्तमान में अमृत प्रोजेक्ट 2.0 तथा नर्मदा जल प्रदाय योजना के चौथे चरण के पूर्ण होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में पश्चिम क्षेत्र में जल प्रदाय को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह संपवेल एक वैकल्पिक एवं प्रभावी समाधान सिद्ध होगा।

क्राइम ब्रांच में मंदसौर पुलिस जैसा कांड

54 लाख के ड्रग्स केस में जावरा से उठाए व्यक्ति की इंदौर में दिखाई गिरफ्तारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देश के आदर्श थाने मल्हारगढ़ (मंदसौर जिला) में एक छात्र पर गलत तरीके से ड्रग केस बनाया गया था। इस मामले में हाईकोर्ट इंदौर कड़ा रुख अपना चुका है। इसमें छह पुलिसकर्मी भी एसपी मंदसौर के जरए सस्पेंड किए गए थे। वहीं हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि पूरे थाने की इसमें सांठगांठ थी। अब इसी तरह का मामला इंदौर क्राइम ब्रांच में सामने आया है। इसमें इंदौर पुलिस क्राइम ब्रांच कठघरे में आ गई है। वहीं, मामला हाईकोर्ट इंदौर तक पहुंच गया है। इसमें आरोपी कहीं और गिरफ्तार हुआ और उसे इंदौर में गिरफ्तारी बताई गई है।

इंदौर क्राइम ब्रांच की केस डायरी के अनुसार, क्राइम ब्रांच को 4 जून 2025 को एक सूचना मिली थी। ये सूचना कार्यालय सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) बलवंत इंगले को एक मुखबिर से मिली थी। मुखबिर की खबर के आधार पर पुलिस फोर्स के साथ थाने से रवाना हो गई थी। वे बीमा अस्पताल, मरीमाता चौराहा और रिक्शा स्टैंड इंदौर के पास पहुंचे थे। वहां मुखबिर की बताई हुई पहचान वाला एक व्यक्ति दिखा। वह तौल कांटे से कुछ तौल रहा था। एक जावरा के निवासी है, के पास 34 ग्राम और गनी, जो खजराना इंदौर का निवासी है, के पास 20.78 ग्राम एमडी मेफ्रेड्रोन पाई गई। गिरफ्तार मेमो के अनुसार, गिरफ्तारी 5 जून को बताई गई और जब्त ड्रग्स की कीमत 54 लाख रुपए थी। बाद में इसी केस में दो व्याक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में अब नया पेंच आ गया है। इस मामले में पकड़े गए व्याक्तियों के परिजनों ने सभी जगह शिकायत की है। साथ ही दस्तावेज और जावरा में उनके घर के पास के चौराहे के सीसीटीवी फुटेज भी दिए हैं। इसमें गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि 4 जून की रात 12:30 बजे उनके घर सफेद कार, काली स्कार्पियो और दो-तीन मोटरसाइकिल्स से 8-10 पुलिसकर्मी आए थे। पड़ोसी के घर के सीसीटीवी का डीवीआर भी ले गए थे। वहीं, यह सभी चौराहे पर लगे सीसीटीवी में आ गए, जो अब उनके पास है। पुलिस ने रात को बताया कि पूछताछ कर छोड़ देंगे। वहीं, जब सुबह जावरा थाना गया तो वहां बताया गया कि इंदौर पुलिस किसी केस में उन्हें लेकर चली गई है। इंदौर पुलिस द्वारा ऑफीशियली साइट पर दी गई।

जावरा थाने के रोजनामचे ने भी खोली पोल

जावरा थाने के रोजनामचे 4 जून रात 12 :57 बजे की ने याचिका में उल्लेख किया है। इसमें लिखा है कि संदेही की तलाश के लिए इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस आई थी। साथ ही, संदेही को साथ लेकर इंदौर रवाना हो गई थी। क्राइम ब्रांच इंदौर से अपराध 64/25 धारा 8/22 एनडीपीएस में संदेही की तलाश के लिए एएसआई रणवीर सिंह रघुवंशी, भागवत कोहली, प्रधान आरक्षक आशीष शर्मा, नीरज सिंह तोमर, सतोष यादव और आरक्षक सर्वेश सिंह, शंभू सिंह तोमर साथ थे। जावरा पुलिस के जवान भी साथ गए थे और संदेही को लेकर इंदौर पुलिस रवाना हो गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।